दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 227 शुक्रवार 8 मार्च 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

किसानों को खेती के लिये निःशुल्क बिजली योजना शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । निजी नलकूप उपभोक्ता कृषको को मुफ्त विद्युत आपूर्ति दिये जाने का शुभारम्भ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन्दिरा गॉधी प्रतिष्ठान लखनऊ में किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषको को इस योजना का लाभ 1 अप्रैल 2023 से मिलेगा। जिले में इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागर में देखा गया।

सांसद हरीश द्विवेदी ने अपने सम्बोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा उत्तर प्रदेश के किसानों को सिंचाई हेतु नलकूपों के संयोजन पर विद्युत बिल में शतप्रतिशत छूट कर दिया है। उन्होने कहा कि जनपद में किसानों के निजी नलकूप के कुल 10061 अदद संयोजन निर्गत है, जिसमें प्रत्येक माह रू0 55.27 लाख का बिल निर्गत होता है। अब किसानों को उक्त बीजक की भुगतान नही देना है।

उन्होने यह भी कहा कि पी.एम. सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अन्तर्गत निजी आवासों में ग्रिड कनेक्टेड रूफटाप सोलर पावरप्लांट में केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा एक किलोवाट से दस किलोवाट तक सयंत्र की क्षमता पर अनुदान दिया जाता है।

इस अवसर पर जिलाधिकारी अंद्रा वामसी, सीडीओ जयदेव सीएस, एडीएम कमलेश चन्द्र, जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, विधायक प्रतिनिधि हरैया सरोज मिश्रा, सिंचाई बन्धु उपाध्यक्ष गजेन्द्र मणि त्रिपाठी, मुख्य अभियन्ता विद्युत एस.के. सरोज, अधिशासी अभियन्ता महेन्द्र मिश्रा, ज्ञान प्रकाश तथा कृषकगण एवं विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

फसल के नुकसान का बीमा कम्पनियां करेंगी भरपाई

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मण्डल के जनपदो में असामयिक ओलावृष्टि/तेज हवाओं के साथ वर्षा हुई, जिससे फसलें प्रभावित हुई है। फसल बीमा हेतु मण्डल के जनपदों के लिए नामित यूनिवर्सल सोम्पों जनरल इन्शोरेंस कम्पनी के टोल फ्री नम्बर 1800–200–5142 तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग भारत सरकार के टोल फ्री नम्बर 14447 पर किसान भाई जिन्होने बीमा कराया है, अपने प्रभावित फसलों के सम्बन्ध में सर्वे हेतु सूचित कर सकते है या आवेदन कृषि विभाग के जिला कृषि अधिकारी अथवा उप कृषि निदेशक को प्राप्त करा सकते है। उक्त जानकारी संयुक्त कृषि निदेशक अविनाश चन्द्र तिवारी ने दी है। उन्होने बताया कि मण्डल में कुल 11 लाख किसान है, जिसमें से लगभग 01 लाख किसानों ने अपनी फसल का बीमा कराया है।

हमारे बच्चे उत्सव कार्यक्रम का आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

पौली, (संतकबीर नगर)। ब्लाक संसाधन केंद्र पौली के पूर्व माध्यमिक विद्यालय शनिचरा बाजार के परिसर में गुरुवार को बेसिक शिक्षा व बाल विकास पुष्टाहार विभाग के संयुक्त तत्वाधान में ब्लॉक स्तरीय हमारा आंगन–हमारे बच्चे उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें निपुण छात्र, नोडल शिक्षक, आंगनबाड़ी व एआरपी को उत्कृष्ट कार्य करने पर पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख राम मिलन यादव व विशिष्ट अतिथि खण्ड शिक्षाधिकारी जर्नादन यादव ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। लोगों को संबोधित करते हुए ब्लाक प्रमुख राम मिलन यादव ने कहा कि बच्चे ही हमारे देश का भविष्य है। विशिष्ट अतिथि खण्ड शिक्षाधिकारी जर्नादन यादव ने कहा कि सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्री बाल वाटिका में शिक्षण कार्य के दौरान गतिविधि व कैलेंडर का उपयोग अवश्य करे। जिससे बच्चो में तेजी से सुधार होगा। प्रत्येक माह अभिभावकों का बैठक विद्यालय पर अवश्य करे। जिससे बच्चो के ठहराव मे सुगमता मिलेगी।

कैबिनेट की बैठक में 6 फैसलों पर लगी मुहर

नई दिल्ली (आभा)। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले मोदी सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है। केंद्र सरकार ने पीएम उज्ज्वला योजना के तहत दी जाने वाली सब्सिडी की समय सीमा को एक साल के लिए बढ़ा दिया है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने इस संबंध में प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उज्ज्वला योजना के तहत दी जाने वाली 300 रुपये की सब्सिडी की समय सीमा को 31 मार्च 2025 तक जारी रखने की मंजूरी दे दी है।

पीयूष गोयल ने बकाया कि कैबिनेट बैठक में छह फैसलों पर मुहर लगी है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि आज कैबिनेट ने निर्णय लिया है कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को 300 रुपए प्रति सिलेंडर की सब्सिडी दी जाती है, जिसकी अवधि 31 मार्च 2024 तक तक थी उसे 1 वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया है। अब 300 रुपए प्रति सिलेंडर सब्सिडी का लाभ एक वर्ष में 12 सिलेंडर की सीमा तक 10 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को मिलेगा। साथ ही कच्चे जूट का न्यूनतम समर्थन मूल्य को बढ़ाया गया है। इसमें 285 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। वहीं, एआई मिशन के तहत 10,372 करोड़ रुपए के व्यय से इंडिया एआई मिशन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में मंत्रिमंडल की बैठक में स्वीकृत किया गया है।

न्याय की मांग को लेकर पानी की टंकी पर चढ गई महिला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती ।मारपीट के मामले में कार्रवाई न होने से नाराज एक महिला कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित पानी की टंकी पर चढ़ गई। वहां से कूदने की धमकी देते हुए कार्रवाई की मांग करने लगी। पानी की टंकी पर चढ़ने के चलते कचहरी परिसर में हड़कंप मच गया। मौके पर एसडीएम सदर, सीओ सिटी, सिविल लाइन चौकी इंचार्ज सहित कोतवाली पुलिस पहुंची। काफी मान–मनौवल और प्रयास के बाद महिला को पानी की टंकी से नीचे उतर गया। अधिकारियों ने उसकी बात सुनी। महिला ने बताया कि उसका नाम राजमती है और वह मुंडेरवा थाना क्षेत्र के परसाहज्जाम की रहने वाली है।

महिला का आरोप है कि उसके साथ दुबौलिया थाना क्षेत्र के सैनिया निवासी एक महिला ने मारपीट किया था। इस मामले में उसने मुकदमा दर्ज कराया था। इस मुकदमे में उर्मिला की गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी हुआ था। इससे नाराज होकर महिला के परिजनों ने उसके साथ फिर से मारपीट की और पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं किया। इसी बात से परेशान होकर वह पानी के टंकी पर चढ़ गई और कार्रवाई की मांग करने लगी। फिलहाल मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस महिला को अपने साथ ले गई।

ब्लॉक स्तरीय 'हमारा आंगन हमारे बच्चे' कार्यक्रम में पुरस्कृत हुये विजेता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बीआरसी हरैया के प्रांगण में गुरुवार को बेसिक शिक्षा एवं बाल विकास पुष्टाहार विभाग के संयुक्त तत्वाधान में ब्लॉक स्तरीय हमारा आंगन हमारे बच्चे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विकासखंड के कुल 11 न्याय पंचायत से 55 निपुण बच्चों को शासन के निर्देशानुसार पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी हरैया बड़कऊ वर्मा ने सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बच्चे हमारे देश के भविष्य हैं। सरकार का हमारे आंगन हमारे बच्चे कार्यक्रम बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का एक सार्थक प्रयास है। छोटे बच्चों को शिक्षित करने की जितनी जिम्मेदारी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व शिक्षकों की है उतनी ही नामांकन व नियमित उपस्थिति का ध्यान रखने की जिम्मेदारी अभिभावकों की भी है। बच्चों की नियमित उपस्थिति के लिए अभिभावकों को प्रेरित किया जाय। सभी न्याय पंचायत से पांच बच्चों के साथ कुल 11 न्यायपंचायतों के 55 निपुण बच्चों में प्रत्येक बच्चे को 250 रुपए नकद पुरस्कार देते हुए खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि निश्चित रूप ये बच्चे प्रशंसा के पात्र हैं। एआरपी गिरिजेश बहादुर सिंह, संदीप सिंह, उमेश सिंह और सुनील बौद्ध ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और संकुल शिक्षकों की एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि बाल वाटिका स्तर पर बच्चों को अच्छी शिक्षा दी जाए ताकि प्राइमरी में पहुंचने पर उन्हें शिक्षा ग्रहण करने में कठिनाई न हो।

इस अवसर पर नरेन्द्र पाण्डेय, सर्वदेव सिंह, धनीश त्रिपाठी, प्रमोद त्रिपाठी, डॉ योगेश सिंह, शिव प्रकाश पांडेय, जगदंबा दूबे, हनुमान दूबे, अरुण शुक्ल, चिन्मय राय, भारती शुक्ला, महेंद्र वर्मा, वासुदेव वर्मा स्नेहलता गौतम, निरुपमा तिवारी, हरी सिंह, अमरचंद वर्मा, वीरेंद्र, हरी जी मिश्र, अरुणेंद्र प्रताप सिंह, आनंद कुमार, विवेक कुमार, शिवकुमार, सरोज देवी, रामरक्षा, राकेश प्रकाश श्रीवास्तव, सुनील, ऋषि सिंह, राजेश वर्मा, दिवाकर विक्रम सिंह, अरुण साहू, संदीप सोनी, राकेश कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक कर्मचारी और आंगनबाड़ी कार्यकत्री मौजूद रहीं।

20 छात्र-छात्राओं में टेबलेट का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। गुरूवार को स्वामी विवेकानंद कॉलेज आफ फार्मेसी तथा स्वामी विवेकानंद इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस ग्राम रिठिया व महरीपुर के विद्यालय परिसर डी फार्मा के कुल 120 छात्र–छात्राओं में टेबलेट का वितरण किया गया।

मुख्य अतिथि भाजपा के वरिष्ठ नेता जगदीश शुक्ल, विशिष्ट अतिथि सेवायोजन अधिकारी अभिनेंद्र वर्मा विद्यालय के संस्थापक सत्य प्रकाश सिंह ने छात्रों में टेबलेट वितरण कर उनका उत्साह बढाया। कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में नयी तकनीक का उपयोग कर छात्र प्रगति के द्वार खोल सकते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉक्टर हनुमान सिंह,प्रहलाद सिंह, विद्यालय के निदेशक प्रदीप पाण्डेय , प्रधानाचार्य मनीष तिवारी विद्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

डा. वी.के. वर्मा के पिता श्यामलाल को दी गई समाधि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । होम्योपैथ के वरिष्ठ चिकित्सक, साहित्यकार एवं पटेल एसएमएच पैरा मेडिकल कालेज गोटवा के प्रबंधक डा. वी.के. वर्मा के वयोवृद्ध पिता पूर्व चकबंदी अधिकारी 85 वर्षीय श्यामलाल वर्मा को गुरूवार को उनके बाग में समाधि दी गई। बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने पूर्व ग्राम प्रधान रहे श्यामलाल वर्मा को श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

इसी क्रम में वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति द्वारा शोकसभा कर श्यामलाल वर्मा को श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। मुख्य रूप से श्याम प्रकाश शर्मा, डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग', पं. चन्द्रबली मिश्र, डा. अफजल हुसेन अफजल, बटुकनाथ मिश्र, पेशकार मिश्र, साधूशरण शुक्ला, ओम प्रकाश धर द्विवेदी, गणेश, दीनानाथ यादव, अजमत अली सिद्दीकी, कृष्णचन्द्र पाण्डेय, नेबूलाल कन्नौजिया, लालजी पाण्डेय आदि ने श्यामलाल वर्मा के योगदान पर चर्चा करते हुये श्रद्धा सुमन अर्पित किया ।

शिक्षकों ने भेजा ज्ञापनः बिना संसाधन ऑन लाइन डिजिटलाइजेशन रोकने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल के नेतृत्व में संघ पदाधिकारियों और शिक्षकों के प्रतिनिधि मण्डल ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक, प्रमुख सचिव बेसिक को ज्ञापन भेजा। इसी कडी में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के माध्यम से महानिदेशक स्कूल शिक्षा, शिक्षा निदेशक बेसिक शिक्षा और सचिव बेसिक शिक्षा को ज्ञापन देकर शिक्षकों के समस्याओं के निस्तारण का आग्रह किया गया।

भेजे ज्ञापन में ऑन लाइन डिजिटलाइजेशन लागू किये जाने में आ रही कठिनाईयों को देखते हुये इस पर रोक लगाने, शिक्षकों को संसाधन दिये जाने, शिक्षकों, कर्मचारियों के बीच दोहरा मापदण्ड समाप्त किये जाने, कैशलेश चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये जाने, ई.एल., सीएल की सुविधा देने, चुनाव लडने का अधिकार दिये जाने, विद्यालयों को समुचित संसाधन दिये जाने आदि की मांग शामिल है।

इसी कड़ी में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के माध्यम से महानिदेशक स्कूल शिक्षा, शिक्षा निदेशक बेसिक शिक्षा और सचिव बेसिक शिक्षा को भेजे ज्ञापन में परिषदीय विद्यालयों में शौचालय की सुविधा देने, आवेदन पत्र प्राप्त होने के एक सप्ताह के भीतर शिक्षकों का वेतन व बकाया भुगतान दिलाये जाने, ई.एल. को फीड कराये जाने, बाल्य देखभाल अवकाश स्वीकृत कराये जाने, चयन वेतनमान के लम्बित पत्रावलियों को स्वीकृत करने, विभागीय धनराशि में से 10 से 15 प्रतिशत कमीशन की मांग पर रोक लगाने, मनमाने तरीके से इनकम टैक्स काटे जाने को रोकने, स्थानान्तरण और चयन वेतनमान स्वीकृत होने के बाद मकान किराया भत्ता संशोधित कराकर भुगतान कराये जाने आदि की मांग शामिल है।

संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने ज्ञापन देने के बाद कहा कि शिक्षक समस्याओं का प्राथमिकता के स्तर पर समाधान कराया जाय। अन्यथा की स्थिति में संघ अधिकारों के लिये संघर्ष करने पर बाध्य होगा।

ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश कुमार, मंत्री राघवेन्द्र सिंह, जिला संयुक्त मंत्री विजय प्रकाश चौधरी, अभय सिंह यादव, राम भरत वर्मा, राम प्रकाश शुक्ल, शैल शुक्ल, इन्द्रसेन मिश्र, आनन्द प्रताप सिंह,दिवाकर सिंह, रामपाल चौधरी, चन्द्रभान चौरसिया, रीता शुक्ला, राजेश चौधरी, अवनीश त्रिपाठी, मुक्तिनाथ वर्मा, रजनीश मिश्र, त्रिलोकीनाथ, सन्देश कुमार रंजन, सन्तोष कुमार शुक्ल, कृष्ण कुमार, ओम प्रकाश पाण्डेय, पाटेश्वरी प्रसाद निषाद, ज्ञान प्रताप उपाध्याय, राहुल उपाध्याय, वृजेश कुमार पाण्डेय, सन्तोष शुक्ल, विवेक कुमार, अश्विनी पाण्डेय, आदित्य त्रिपाठी, मारूफ खान, अभिषेक जायसवाल, विवेकानन्द चौरसिया, नरेन्द्र पाण्डेय, तरूण कुमार, जितेन्द्र गौतम के साथ ही संघ के अनेक पदाधिकारी, शिक्षक शामिल रहे।

–राज्य कर्मचारियों की भांति शिक्षकों को मिले सुविधायें– उदयशंकर शुक्ल

बिजली बिल माफी 1 अप्रैल 2023 से लागू

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसानों के लिए सरकार की कई योजनाएं चल रही हैं। 2047 में जब भारत विकसित होगा तो किसान भी खुशहाल हो जाएगा। देश में 20 फीसदी अन्न का उत्पादन यूपी के किसान करते हैं। बिजली बिल माफी एक अप्रैल 2023 से लागू होगा। प्रदेश में 13,45,093 नलकूप 10 हॉर्स पावर से कम के हैं। 8923 नलकूप 15 हॉर्स पावर से ऊपर के हैं। सभी को लाभ मिलेगा। इसके लिए पिछले साल का बजट 1500 करोड़ रुपये था। इस बार का बजट 2400 करोड़ है। प्रदेश में निजी नलकूप से पानी के साथ आमदनी भी बढ़ा सकते हैं। 60 फीसदी सब्सिडी दी जा रही है। ऊर्जा और कृषि विभाग मिल कर काम करें।

रामनगर में 1959.58 लाख के बजट का प्रस्ताव पारित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को क्षेत्र पंचायत रामनगर की बैठक विकास खण्ड के सभागार में ब्लाक प्रमुख श्री यशकान्त सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। बैठक में विभिन्न विभागो के अधिकारी व प्रधानगण, क्षेत्र पंचायत सदस्यगण उपस्थित रहे।

बैठक में सर्वप्रथम पिछली कार्यवाही की पुष्टि किया गया। बैठक में कुल 1959.58 लाख एवं 511221 मानव दिवस का बजट 2024–25 के लिए अनुमोदन किया गया उपस्थित सभी सदस्यो ने इन प्रस्तावों को सर्वसम्मत से पारित किया। इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों के उपस्थित अधिकारिओं द्वारा अपने–अपने विभागों से सम्बन्धित योजनाओं के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी।

बैठक में खण्ड विकास अधिकारी सुश्री वर्षा वंग, सुहेल खान, लेखाकार अनिल कुमार, पशुचिकित्साधिकारी, बालविकास परियोजनाधिकारी एवं सचिव गण, प्रधानगण एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य गण उपस्थित रहे।

संदीप यादव अध्यक्ष, जंग बहादुर मंत्री बनेःप्रयोगशाला सहायक संघ पदाधिकारियों का चुनाव सम्पन्न

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को उत्तर प्रदेश प्रयोगशाला सहायक संघ की बैठक प्रदेश अध्यक्ष अजय पाण्डेय की अध्यक्षता में मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक के बाद चुनाव अधिकारी मो. इसराइल की देख रेख में पदाधिकारियों का चुनाव सर्व सम्मत से सम्पन्न हुआ। संदीप यादव अध्यक्ष, वृजेश कुमार मौर्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष, वृजभूषण अग्रहरि उपाण्यक्ष, जंग बहादुर मंत्री, सतीश कुमार श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष, अनुपम कुमार संयुक्त मंत्री, सन्त कुमार संगठन मंत्री और जय गोविन्द श्रीवास्तव, राकेश सिंह, रमेश चन्द्र वरूण, वृजेश श्रीवास्तव, अब्दुल वारिस, ओम प्रकाश यादव संरक्षक घोषित किये गये।

उत्तर प्रदेश प्रयोगशाला सहायक संघ प्रदेश अध्यक्ष अजय पाण्डेय ने पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाते हुये कहा कि बिना मजबूत संगठन के अधिकार हासिल नहीं होंगे। संघ प्रयोगशाला सहायकों की समस्याओं के समाधान हेतु निरन्तर संघर्ष जारी है। हमें अपनी एकजुटता बनाये रखनी होगी।कार्यक्रम में मुख्य रूप से अभय सिंह यादव, रमेश चन्द्र वरूण, ओम प्रकाश यादव, राकेश सिंह, हरिश्चन्द्र चौधरी, मिताईलाल विमल, अनिल कुमार चौधरी, वीरेन्द्र कुमार गुप्ता, रविशंकर लाल श्रीवास्तव, शहजादा परवेज, मुकेश कुमार चौधरी, रवि कुमार चौधरी, सुनील कुमार श्रीवास्तव, वीरेन्द्र प्रताप चौधरी, मनोज कुमार चौधरी, मारूफ खान, सुदर्शन प्रसाद त्रिपाठी, मंजेश राजभर, आदित्य त्रिपाठी, रवि प्रताप सिंह, राम रेखा चौधरी, राघवेन्द्र उपाध्याय के साथ ही प्रयोगशाला सहायक संघ एवं विभिन्न संगठनों के लोग उपस्थित रहे।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर महिला अधिकारों पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर प्रेस क्लब सभागार में जन शिक्षण संस्थान द्वारा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ज्वेलरी की प्रदर्शनी के साथ ही प्रशिक्षुओं को प्रमाण–पत्र वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये शिव हर्ष किसान पी.जी. कालेज की प्राचार्य प्रो. रीना पाठक ने कहा कि अपने देश भारत में महिलाओं की आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक स्तर पर काफी विकास हुआ है किन्तु महिला उत्पीडन के मोर्चा पर अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। कहा कि बेहतर शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे महिलाओं की स्थिति में सुधार होगा।

विशिष्ट अतिथि भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रोली सिंह ने कहा कि केन्द्र और उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरन्तर प्रयत्नशील है। आज महिलायें सेना, रेल के साथ ही अनेक क्षेत्रों में पुरूषों के समानान्तर अपना योगदान दे रही है। कहा कि महिलायें परिवार, समाज की अभिन्न अंग है और उद्यम के क्षेत्र में भी उनकी पहल लगातार बढ रही है।

बाल संरक्षण अधिकारी बीना सिंह ने अन्तराष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं की स्थिति, विधिक अधिकार और सामाजिक सरोकारों पर विस्तार से प्रकाश डाला। संध्या राय ने महिलाओं की बदलते परिवेश में भूमिका और सन्दर्भ पर चर्चा किया।

जन शिक्षण संस्थान के निदेशक अजय उपाध्याय ने अतिथियों का स्वागत करते हुये कहा कि संस्थान द्वारा महिला उत्थान, उन्हे स्वालम्बी बनाने की दिशा में अनेक प्रयास किये जा रहे हैं और उसके बेहतर परिणाम सामने आ रहे हैं। सिलाई, कटाई, पेन्टिंग, कारपेन्टर, ब्यूटीशियन आदि का प्रशिक्षण लगातार चलता रहता है। कार्यक्रम में ज्वेलरी की प्रदर्शनी आकर्षण का केन्द्र रही। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रामानन्द नन्हें, अभय उपाध्याय, सुनील शर्मा, अरूण मिश्र, रेनू श्रीवास्तव, अर्चना शुक्ला, अवनीश शुक्ल के साथ ही जन शिक्षण संस्थान के पदाधिकारी, सदस्य और महिलायें उपस्थित रहीं।

ट्रैक्टर खड़ा करने के विवाद को लेकर दलित को मारा पीटाः एस.पी. सें दोषियों के गिरफ्तारी की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को बजरंग दल के जिला संयोजक मननोहन त्रिपाठी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मण्डल ने पुलिस अधीक्षक से मिलकर रूधौली थाना क्षेत्र के दुधराक्ष गांव में ट्रैक्टर खडा करने के विवाद को लेकर अल्पसंख्यकों द्वारा दलित परिवार के लोगों को मारने पीटने, गंभीर रूप से घायल कर देने के मामले में दोषियों के गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को सुरक्षा और न्याय दिलाने की मांग किया। मनमोहन त्रिपाठी ने बताया कि एसपी ने पीड़ितों को आश्वासन दिया है कि दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार कराया जायेगा।

दुधराक्ष निवासी दलित सुखराम पुत्र दयाराम ने रूधौली थाने में दिये तहरीर में कहा है कि गत 5 मार्च 2024 को घर के सामने ट्रैक्टर खड़ा करने पर सुखराम ने टोका तो गांव के ही इरसाद, हैदर पुत्रगण मो. युनूस, फिरोज, मोबीन, बदरूनिशा पत्नी मो. युनूस, मो. युनूस, कमरूनिशा पुत्री मन्जूर अली आदि ने लाठी डंडो से लैश होकर दलित सुखराम, उसके भतीजे नन्दू, पुत्री सीमा व सरिता, भतीजे बैजू पुत्र रामदशरथ आदि को जाति सूचक गालियां देते हुये मारा पीटा। घर में घुसकर अभद्र व्यवहार करते हुये जान से मारने की धमकी दिया। सुखराम और नन्दू को काफी चोटे आयी है। बेहोशी की हालत में दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। रूधौली पुलिस ने तहरीर के आधार पर भादवि की धारा 147, 148, 452, 308, 323, 504, 506 अनुसूचित जाति, जन जाति नृशंसता निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है किन्तु दोषियों की गिरफ्तारी नहीं की गई है।

जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, विक्की चौधरी, स्नेह पाण्डेय, राहुल पाण्डेय, सुरेश चौहान, राकेश पाण्डेय, कृष्ण कुमार, अजय यादव, अनिल कुमार के साथ ही पीड़ित सुखराम, अरविन्द, संतराम, सीमा, सरिता आदि ने एसपी से मांग किया कि दोषियों को गिरफ्तार कर दलित परिवार को न्याय दिलाने के साथ ही सुरक्षा उपलब्ध कराया जाय।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 8 मार्च 2024 शुक्रवार

सम्पादकीय

राजनीति और अपराध

चुनाव ऐसा अवसर होता है जब आपको राजनीति के सारे नकारात्मक चरित्र हमारे सामने घनीभूत होकर उभरते हैं। हालांकि इसमें आज चार्ज का कोई कारण इसलिए नहीं होता क्योंकि इस तरह की घटनाएं राजनीति की बारंबारता का अंग बन चुके हैं। लोकसभा चुनाव के पूर्व दलों और नेताओं के व्यवहारों और वक्तव्यों पर आम लोग अब आश्चर्य भी प्रकट नहीं करते। मीडिया और राजनीतिक विश्लेषक नेताओं के पाला बदल, कल तक के राजनीतिक विरोधियों के साथ चुनावी गठबंधन पर चाहे जितना प्रश्न उठाएं या उसका किसी दृष्टि से विश्लेषण करें इससे धरातल पर ठोस गुणात्मक अंतर आएगा ऐसा नहीं लगता। ऐसा लगता है कि वर्षों से भारत में राजनीतिक सुधार यानी राजनीतिक दलों के अंदर वैचारिक, व्यवहारिक और व्यक्तित्व के परिवर्तनों को लेकर जो भी आवाज उठाई गई उसका अत्यंत कम असर हुआ है। आम आदमी पार्टी द्वारा दिल्ली, हरियाणा और गुजरात में कांग्रेस के साथ गठबंधन पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। आखिर दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के प्रमुख अरविंद केजरीवाल जिस पार्टी और परिवार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर सत्ता में आए और उनको सजा दिलवाने का वायदा करते रहे उसके साथ गठबंधन करते हैं तो उस राजनीति पर प्रश्न उठेगा। किंतु क्या इसका असर भी हो सकता है ? या फिर अरविंद केजरीवाल या आम आदमी पार्टी ऐसा करने के मामले में भारतीय राजनीति में एकमात्र उदाहरण है?

वास्तव में राजनीति का जब एकमात्र ध्येय येन–केन –प्रकारेण सत्ता में पहुंचना या बने रहना हो जाए तो ऐसा ही होता है। आईएनडीआईए की कल्पना आने के पूर्व तक आम आदमी पार्टी का घोषित स्टैंड था कि उसको किसी भी गठबंधन से कोई लेना– देना नहीं है। वह गठबंधन की राजनीति की आलोचना करती थी। अन्ना हजारे के अभियान के दौरान की बातों को थोड़ी देर के लिए छोड़ दीजिए क्योंकि उसे कितनी बार याद दिलाएंगे, किंतु हाल तक के अपने राजनीतिक–रणनीतिक स्टैंड से भी पार्टी बदल जाए तो फिर क्या कहा जा सकता है। जिस शराब घोटाले और ईडी कार्रवाई का दिल्ली की कांग्रेस पार्टी समर्थन कर रही थी वह अचानक न केवल इस पर खामोश हो गई है बल्कि कई टीवी डिबेट में कार्रवाइयों के लिए सरकार की आलोचना करती है।यही स्थिति भाजपा और राजग विरोधी पार्टियों की पश्चिम बंगाल के संदेशखाली जैसे जघन्य और वीभत्स अपराध के मामले में भी है। विपक्ष की किसी पार्टी के प्रमुख नेता ने संदेशखाली को लेकर तृणमूल कांग्रेस, ममता बनर्जी या वहां के पुलिस प्रशासन की आलोचना नहीं की। राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल, तेजस्वी यादव ,लालू यादव, राष्ट्रीय जनता दल, शरद पवार , एनसीपी उद्धव ठाकरे आदि का एक ट्वीट हमने नहीं देखा। पश्चिम बंगाल में जिस तरह की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं उससे लगता है कि धनबल और बाहुबल का प्रभाव बंगाल में घटने की बजाय ज्यादा सशक्त हुआ है। जिस तरह गिरफ्तारी के बाद संदेशखाली का मुख्य अभियुक्त शेख शाहजहां चल रहा था, लगता था जैसे पुलिस किसी वीआईपी को सुरक्षा देकर ले जा रही हो। 55 दिनों बाद उसकी गिरफ्तारी बताती है कि अपराध,धनबल तथा एकपक्षीय भयावह सांप्रदायिक बाहुबल का गठजोड़ पश्चिम बंगाल की राजनीति का स्थायी चरित्र बन गया हो। 80 के दशक से भारतीय राजनीति का यह सबसे बड़ा मुद्दा रहा। लगातार राजनीतिक सुधार की मांग उठती रही। लगता था कि धीरे–धीरे अपराध, बाहुबल , धन बल और वोट के लिए संप्रदायिक अपराध की अनदेखी की राजनीति से अंत हो रहा है। ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस वाम मोर्चा के शासन में अपराधियों, माफियाओं और सांप्रदायिक तत्वों के बोलबाला के विरुद्ध ही संघर्ष करके सत्ता तक आई किंतु उनका शासन उससे भी ज्यादा इन सारी बीमारियों का वीभत्सतम उदाहरण बन गया है।

बाहुबल और धनबल का राजनीति के साथ स्पष्ट दिखता रिश्ता तथा सिद्धांतहीन, आदर्शहीन पालाबदल कई राज्यों में सामने आ रहे हैं। एक समय राजनीतिक और सत्ता शीर्ष का भ्रष्टाचार विरोधी दलों का सबसे बड़ा मुद्दा होता था। यह स्थिति पूरी तरह पलट गई है। आज भ्रष्टाचार के आरोप के विरुद्ध नेताओं और सत्ताशीर्ष पर बैठे व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई विपक्ष के लिए सबसे बड़ा मुद्दा हो गया है। इस स्थिति की पहले कल्पना नहीं थी। पहले मनीष सिसोदिया, फिर संजय सिंह और हेमंत सोरेन तथा ऐसे छोटे–बड़े नेताओं को जेल जाना पड़ा, न्यायालय उनको जमानत तक नहीं दे रहा, किंतु विरोधी राजनीति का स्वर है मानो ये सारे पाप साफ हों। न्यायालय जब तक किसी को सजा नहीं देती हम उन्हें दोषी नहीं मानते किंतु बिना आधार के इतनी बड़ी कार्रवाई नहीं होती और होती है तो शांति से न्यायिक प्रक्रिया का सामना किया जा सकता है। सच कहा जाए तो एक बीमारी के उपचार की जगह उससे बड़ी बीमारी ने हमारी राजनीति को घर कर लिया है। यह राजनीतिक सुधार की विपरीत दिशा है। आने वाले समय में राजनीति और शीर्ष भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई कितनी कठिन होगी इसका अनुमान आज की स्थिति से लगाया जा सकता है। एक नेता पर कार्रवाई हुई नहीं कि वकीलों की फौज उन्हें बचाने के लिए उच्चतम न्यायालय तक पहुंच जाती है। बड़े–बड़े लोग पक्ष में खड़े हो जा रहे हैं। यह राजनीति की ऐसी प्रवृत्ति है जिसका अंत तभी संभव है जब राजनीतिक सुधार इस अवस्था में पहुंच जाए जहां केवल देश और समाज की चिंता करने वाले ज्ञानी , विवेकशील और संकल्पबद्ध लोग ही चुनावी राजनीति में रहे। ऐसी स्थिति सामने नहीं दिख रही।

संघ और भाजपा का विरोध राजनीति में एक बड़ा वर्ग पहले भी करता था। इस समय यह विरोध घृणा की उस अवस्था में पहुंच गया है जहां लगता है कि दलों और नेताओं के विवेक और अविवेक में कोई अंतर नहीं बचा। इसमें कोई कितना भी भ्रष्टाचारी हो, बाहुबली हो, सांप्रदायिक हो, अगर नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा विरोधी है तो विपक्ष के बड़े समूह के लिए सहज स्वीकार्य। यह इस समय भारतीय राजनीति की सबसे बड़ी और जटिल चुनौती है। मजे के बाद देखिए कि इस स्थिति ने पार्टियों को अपने दूरगामी भविष्य की चिंता से भी विलग कर दिया है। ६ उदाहरण के लिए कांग्रेस के व्यावहारिक नेताओं को आभास है कि दिल्ली, हरियाणा और गुजरात जैसे राज्य में अगर आम आदमी पार्टी आगे बढ़ी तो सबसे ज्यादा क्षति उन्हीं की होगी। बावजूद वह गठबंधन को तैयार हैं तो क्यों? यही स्थिति दूसरी पार्टियों के साथ भी है। अनेक पाला बदलने वालों के लिए भाजपा भी अपना द्वार खोली हुई है। नीतीश कुमार जैसे सिद्धांतहीन और अस्थिर व्यक्ति जब चाहते हैं भाजपा को छोड़कर चले जाते हैं और फिर वापस आ जाते हैं। वे मुख्यमंत्री भी बने रहते हैं। भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस समय ऐसी सशक्त स्थिति में है जब वह सिद्धांतहीन और आरोपी नेताओं से अपने को काफी हद तक बचाए रख सकती है। इससे उसके चुनावी प्रदर्शन पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। हालांकि जब तक कोई नेता विरोधी खेमे में होता है उसके विरुद्ध आवाज नहीं उठाती। जैसे ही वह भाजपा के साथ आता है, विरोधी चिल्लाने लगते हैं कि देखो–देखो जिस पर भ्रष्टाचार का आरोप था वह उनके साथ चला गया। इसलिए जनता ऐसी आलोचनाओं को गंभीरता से नहीं लेती है।

पाकिस्तान में यह कैसा लोकतंत्र

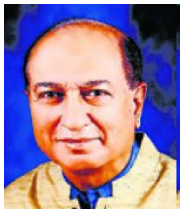

–जी. पार्थसारथी–

पाकिस्तान में नागरिक पिछले कुछ महीनों से चुनावी माहौल में रमे हुए थे और चाहवान थे कि चुनाव प्रक्रिया मुक्त, ईमानदार और लोकतांत्रिक ढंग से हो। लेकिन जल्द ही साफ हो गया और जो कुछ उन्हें देखने को मिला वह इस कल्पना जैसा नहीं था। यह तो बल्कि वह नाटक था जिसकी पटकथाएं सेनाध्यक्ष जनरल सईद असीम मुनीर ने लिखी थीं। सेनाध्यक्ष बनने से पहले मुनीर का कार्यकाल काफी तनातनीभरा रहा। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को मुनीर सुहाते नहीं थे, उन्होंने तत्कालीन सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा द्वारा मुनीर को आईएसआई मुखिया बनाए जाने वाले आदेश को निरस्त कर अपने चेहते को पद पर बैठा दिया था। तत्पश्चात, निर्वाचित सरकार को गिराने की जो ताकत पाकिस्तानी सेना के हाथ में सदा से रही है, जनरल बाजवा ने उसका इस्तेमाल करते हुए इमरान की जबरन विदाई यकीनी बना दी।

पाकिस्तान में ऐसे लोगों की भी कमी नहीं, जिन्हें विश्वास है कि इमरान खान की विदाई के पीछे अमेरिकी साजिश थी। अमेरिका और जनरल बाजवा की यारी सुविख्यात है, अमेरिका के कहने पर उन्होंने यूक्रेन की जेलेंस्की सरकार को 900 मिलियन डॉलर मूल्य के हथियार और गोला–बारूद पहुंचाने में मदद की। हालांकि, यहां मानना पड़ेगा कि भारत के मामले में उन्होंने अपने पूर्ववर्तियों के मुकाबले समझदारी भरा और सकारात्मक रुख बनाए रखा। जाहिर है, और यह ठीक भी है, उन्हें इल्म था कि भारत से तनाव में बढ़ोतरी का असर उल्टा पाकिस्तान पर अधिक होगा। हालांकि यह बात उनके द्वारा नियुक्त और जानशीन जनरल असीम मुनीर के बारे में नहीं कही जा सकती।

दरअसल, उनकी सेवानिवृत्ति उपरांत पाकिस्तान अपनी बनाई मुश्किलों में फंसता गया, इसमें एक वजह हालिया चुनाव में गलत आचरण और जानबूझकर की गई हेराफेरी भी है। लोकतांत्रिक रिवायतों को पूरी तरह छींके पर टांग देने वाले इस अभियान की अगुवाई जनरल मुनीर और उनकी सेना ने की। लोकतंत्र का हनन करने वालों के सम्मुख खड़े होने वाले हिम्मतियों का साथ देने की बजाय पाकिस्तान की न्यायपालिका, नौकरशाही, सिविल सोसायटियों ने शुतुर्मुर्गी रवैया अपनाए रखा। पाकिस्तान के संविधान को नीचा दिखाने के कृत्य में वे भी शामिल हो गए। जनरल मुनीर के नेतृत्व में रीढ़विहीन बना सिविल प्रशासन और पुलिस तंत्र चुनाव प्रक्रिया में हेराफेरी करने में भागीदार बन गया। यह भांपकर कि मतदान में घपलेबाजी होगी, इमरान खान ने अपने समर्थकों से आह्वान किया कि मतदान संबंधी अड़चनों का सामना करें और खुलकर वोट डालें।

सेना की इन हरकतों का यदि कोई राजनीतिक दल गंभीर रूप से विरोध कर रहा था तो वह थी इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ पार्टी। अन्य मुख्य राजनीतिक दल तो सेना के आगे बिछ गए और इसके सहयोग से अपने–अपने गढ़ में अच्छी जीत हासिल कर पाए। हालांकि कलई खुलने पर, कई मौकों पर सेना को नामोशी झेलनी पड़ी है। यद्यपि इमरान खान ने प्रतिबंधों का तोड़ पहले से तैयार रखा था और अपने उम्मीदवार बतौर आजाद प्रत्याशी खड़े किए, उनके 93 बंदे सांसद चुने गए हैं। जबकि नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग के 75 तो भुट्टो–जरदारी परिवार के नेतृत्व वाली पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के 54 सांसद चुनकर आए हैं। लेकिन जिस भौंडे ढंग से पाकिस्तान के संविधान और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हनन हुआ है उससे दुनिया और लगभग समूचे पाकिस्तानी अवाम की नजर में सेना की छवि खराब हुई है। इसी बीच सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर ने बयान दागा : 'जब भारत को पाकिस्तान का वजूद गवारा नहीं, तो हमें उसका कैसे हो?'

दुनिया के लिए यह देखना एक झटका था कि किस ढिठाई और गैर–कानूनी ढंग से जनरल मुनीर ने पाकिस्तान के संविधान, चुनाव प्रक्रिया का अपहरण कर लिया। तथापि, जैसा कि अपेक्षित था, सेना ने शरीफ बंधुओं और भुट्टो परिवार और कुछ छोटे दलों को एकजुट करवाया। यह करना इमरान खान की हार और उन्हें सलाखों के पीछे बनाए रखने के लिए जरूरी था। इमरान खान द्वारा हालिया चुनाव में धांधली के आरोपों से पाकिस्तानी सरकार साफ इनकार करती है। हाल ही में रावलपिंडी के कमिश्नर ऑफ कैपिटल लियाकत अली चट्ठा ने स्वीकारोक्ति की है कि उनकी मौजूदगी में 8 फरवरी के चुनाव में हेराफेरी हुई है, और उन्होंने अपना इस्तीफा देने की पेशकश की। हालांकि, उन्हें अपना उक्त इकबालिया बयान और इस्तीफा वापस लेने के लिए मजबूर किया गया। एक मर्तबा मेरे पाकिस्तानी दोस्त ने कहा था : 'कोई अचरज नहीं कि दुनिया के हर देश के पास सेना है, लेकिन पाकिस्तान में सेना के पास देश है।'

हालांकि, पश्चिमी मुल्क जैसे कि अमेरिका और यूके इस पसोपेश में हैं कि खुद को इस विवाद से कैसे दूर रखें परंतु यदि इमरान खान जेल में रहते हैं तो भी उनकी नींद उड़ने से रही। जहां अमेरिका में पाकिस्तान में हुए छद्म चुनाव को लेकर सवाल उठे हैं वहीं पाकिस्तानी मीडिया में भी चुनाव में धांधली पर तीखी आलोचना देखने को मिली। सेना की मेहरबानी से शरीफ और भुट्टो परिवार का चुनावी प्रदर्शन अच्छा रहा और अब वे मिलकर सत्ता की बंदरबांट कर रहे हैं। आसिफ अली जरदारी, जो बेनजीर भुट्टो का शौहर होने की वजह से मशहूर हुए, एक समय राष्ट्रपति रहे। हालांकि सवाल है कि उनके गर्ममिजाज पुत्र बिलावल भुट्टो जरदारी में क्या मां बेनजीर और नाना जुल्फिकार अली भुट्टो जितना राजनीतिक कौशल है? भारत से संबंधों के बारे में उनके बोल आईएसआई मुखिया सरीखे हुआ करते हैं।

फिलहाल, पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था रसातल में होने के अलावा, पड़ोसियों के साथ उसके रिश्ते बिगड़े हुए हैं। भारत के साथ संबंध पहले जैसी स्थिति में हैं तो अन्य पड़ोसियों से साथ चल रही तनातनी की वजह से ईरान और अफगानिस्तान के साथ मौजूदा रिश्तों को सामान्य नहीं कहा जा सकता। पाकिस्तान का आरोप है कि डूरंड रेखा पार करके आने वाले अफगान तालिबान आतंकी गुट जैसे कि तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान और बलूचिस्तान में ईरान की सीमा से घुसकर बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी आतंकी कार्रवाइयां कर रहे हैं। ईरानी वायुसेना द्वारा 16 जनवरी को पाकिस्तानी सीमा के अंदर किए हमले और पाकिस्तानी लड़ाकू जहाजों की बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में की गई जवाबी कार्रवाई जैसे प्रसंग घटे हैं। फिलहाल पाकिस्तान का अपने तीन पड़ोसी मुल्कों, भारत–ईरान–अफगानिस्तान, की सीमाओं पर तनाव व्याप्त है।

–लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।

मोदी का परिवार अभियान और विपक्ष

–ललित गर्ग–

बिहार की राजधानी पटना में आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव के बयान कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास परिवार ही नहीं है। वो हिंदू नहीं हैं। हिंदू अपनी मां के श्राद्ध में दाढ़ी–बाल बनवाता है। मोदी की माताजी का जब देहांत हुआ तो उन्होंने बाल–दाढ़ी क्यों नहीं बनवाया? इस तरह के बेतुके, आधारहीन एवं अमर्यादित बयान के विरोध में पूरी भारतीय जनता पार्टी उतर आई है। अब भाजपा और विपक्षी दलों के बीच 'परिवारवाद' के मुद्दे पर वार–पलटवार जारी है। मोदी के परिवार एवं विपक्षी दलों के परिवारवाद को लेकर बड़ी बहस चल रही है लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा को विपक्ष के एक आरोप 'चौकीदार चोर है' का भारी लाभ मिला था, तब भाजपा ने 'मैं भी चौकीदार' अभियान चलाया था। उसी तरह वर्ष 2024 के आम चुनाव से पूर्व 'मोदी का परिवार' अभियान शुरू कर दिया है, जिसका भाजपा को भरपूर लाभ मिल सकता है, विपक्षी दलों की इस भूल के कारण भाजपा न केवल 370 सीटों के लक्ष्य को हासिल करेगी, बल्कि उनका गठबंधन 400 से पार जायेगा। निश्चित ही चुनाव का समय बहुत संवेदनशील होता है, जिसमें विवादित एवं व्यक्तिगत बयानों से बचना जरूरी होता है। विशेषतः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और उनकी चुनावी रणनीति से भड़के कांग्रेस के नेता राहुल गांधी, आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव एवं विपक्षी दलों के नेता अपनी जुबान संभाल नहीं पा रहे। जैसे–जैसे मोदी एवं भाजपा का चुनावी अभियान तीक्ष्ण, उग्र एवं नियोजित होता जा रहा है, वैसे–वैसे उनके प्रति विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की बौखलाहट बढ़ती जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने परिवार ना होने को लेकर विपक्ष के हमले पर पलटवार करते हुए पूरे भारत को अपना परिवार करार दिया और अपने जीवन को एक खुली किताब बताते हुए कहा कि लोगों की सेवा करने के सपने के साथ उन्होंने कम उम्र में ही घर छोड़ दिया था। लगता है मोदी के परिवारवादी राजनीति के बयानों का विपक्ष के पास कोई प्रभावी जवाब नहीं है, तभी ऐसे बचकाने बयानों से दूषित राजनीति करने से विपक्षी दल स्वयं को बचा नहीं पा रहे हैं, दूसरी ओर मोदी ने ऐसे राजनेताओं एवं राजनीतिक दलों पर हमला बोलते हुए कहा कि विपक्षी नेताओं एवं दलों के अलग–अलग चेहरे हो सकते हैं, लेकिन झूठ और लूट का उनका चरित्र समान है। प्रधानमंत्री मोदी ने लालू के आरोप पर पलटवार करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण में आकंठ डूबे इंडी गठबंधन के नेता बौखलाते जा रहे हैं। मोदी निश्चित रूप से एक बड़े 140 करोड़ लोगों के परिवार से जुड़े हुए हैं। देश की जनता के सामने मोदी का जीवन खुली किताब जैसा है। देशवासी मोदी को भली–भांति जानते हैं, समझते हैं। उनकी पल–पल की खबर रखते हैं। देर रात तक अगर मोदी काम करते है तो देश से लाखों लोग उन्हें इतना काम नहीं करने एवं कुछ आराम करने की सलाह देते हैं, यह प्यार है मोदी परिवार का उनके प्रति। निश्चित ही मोदी ने एक सपना लेकर बचपन में घर छोड़ा था। वे देशवासियों के लिये जीने का एक सपना लेकर चले थे। मोदी का कोई निजी सपना नहीं है, देश एवं देशवासियों के सपने ही उनके संकल्प हैं। इसलिए देश के 140 करोड़ लोग ही उनका परिवार हैं, जिसमें युवा, बेटियां, बुजुर्ग सभी हैं। जिनका कोई नहीं है, उनके मोदी हैं। मेरा भारत मेरा परिवार, इसी भावना का विस्तार लेकर वे सपनों को सच के साथ सिद्ध करने के लिए जी रहे हैं। पूरा देश मोदी का परिवार है।

भाजपा के बड़े नेताओं ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने नाम के आगे 'मोदी का परिवार' लिखने का एक महा–अभियान शुरु कर दिया है, जो विपक्षी दलों के लिये भारी पड़ने वाला है। चुनाव के माहौल में विपक्षियों के बयान को भाजपा ऐसा मुद्दा बना लेती है, जिससे खुद विपक्षी नेता घिरते नजर आते हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में रफाल की डील को लेकर जब राहुल गांधी ने 'चौकीदार चोर है' कहा तो भाजपा ने 'मैं भी चौकीदार' की ऐसी मुहिम चलाई कि वह विपक्ष पर ही भारी पड़ी। लालू के बयान के बाद अब 'मोदी का परिवार' मुहिम को भाजपा उसी तरह फोकस कर रही है। भाजपा नेताओं के मुताबिक, यह पूरी मुहिम चुनाव प्रचार के दौरान भी दिखाई देगी। यह अभियान चुनाव तक जारी रहेगा। भाजपा कांग्रेस सहित विपक्षी गठबंधन पर परिवारवाद को लेकर निशाना साधती रही है। हाल ही में हुए भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में भी गृहमंत्री अमित शाह ने परिवारवाद को लेकर विपक्ष पर खूब तंज कसा था। लोकसभा के आखिरी सत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने परिवारवाद क्या है, इसकी पूरी परिभाषा ही दे डाली थी। अब जब लालू यादव का मोदी को लेकर बयान आया तो भाजपा परिवारवाद पर और उग्र हुई है।

नरेन्द्र मोदी के दर्शन, उनकी व्यापक सोच, उनके विकासमूलक कार्यक्रमों, उनके व्यक्तित्व, उनकी बढ़ती ख्याति व उनकी कार्य–पद्धतियां पर विपक्षी दल एवं उनके नेताओं द्वारा कीचड़ उछालने की हदें पार हो रही हैं, उनके खिलाफ अमर्यादित भाषा का उपयोग हो रहा हैं, चुनावी सभाओं एवं चर्चाओं में भाषा की मर्यादा बिखर रही है, लेकिन मोदी अपने उद्बोधन में भाषा की मर्यादा को कायम रखते हुए कड़वे सच एवं यथार्थ को भी शालीनता एवं सहजता से परोस रहे हैं। विपक्ष के बेतुके बयानों एवं आरोपों से चुनावी परिदृश्य पल–पल बदलते हुए भाजपा की जीत को सहज बना रहे हैं। देखा जाये तो प्रधानमंत्री ने समूचे देश को अपना परिवार कहकर विपक्ष के बुने जाल में फंसने की बजाय उसके इरादों पर पानी फेर दिया कि ऐसे अशालीन एवं बचकाने बयानों से उन्हें हराया नहीं जा सकता। उनके इस कथन का कोई मतलब है तो यही कि विपक्ष जो कुछ कहने और सिद्ध करने की कोशिश कर रहा है, उसमें कोई दम नहीं। क्या अब भी विपक्ष मोदी को निशाना बनाने से परहेज करेगा, राहुल गांधी, लालू एवं विपक्ष अपनी ऐसी ही बेवकूफी से अपनी ही जड़ें खोद रहा है। क्योंकि मोदी को निशाना बनाने की राजनीति विपक्ष के लिये हमेशा नुकसानदायी रही है, मोदी अधिक चमके हैं, अधिक सशक्त बने हैं। इसका जवाब भी मोदी ने ही दिया कि भारतीय समाज नकारात्मकता को सहन कर लेता है, स्वीकार नहीं करता है।' आज जैसे बुद्धिमानी एक श्श्वैल्यूश्श है, वैसे ही बेवकूफी भी एक श्श्वैल्यूश्श है और मूल्यहीनता के दौर में यह मूल्य काफी प्रचलित है। लेकिन आज के माहौल में इस श्श्वैल्यूश्श को फायदेमंद मानना राजनीति की एक अपरिपक्वता एवं नासमझी ही कही जायेगी। कांग्रेसी नेताओं एवं अन्य दलों के नेताओं की फिसली जुबान से भाजपा को संजीवनी ही मिल रही है।

मोदी का जहां तक संबंध है, विपक्ष के आरोपों को उन्होंने हमेशा बहुत गंभीरता से लिया है, उनके आहत मन को उनकी चुटकियों और उक्तियों में समझा जा सकता है। अपशब्दों और आरोपों से वह आहत हैं और उन्होंने यह भी छिपाया नहीं। उन्होंने अपनी ओर से भी शालीनता से सुनाने में कोई कोर–कसर नहीं छोड़ी। विपक्ष परिवार एवं परिवारवादी राजनीति के शोर के साथ विरोध में जुट रहा है, मोदी देश की असंख्य जनता के दिलों में जगह बनाने में कामयाब हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने विपक्ष की ओर इशारा करते हुए कहा कि 'ये लोग तो अपने और अपने लोगों के लिए जी रहे हैं, लेकिन मोदी देश के 25 करोड़ परिवारों का सदस्य है। मेरे लिए 25 करोड़ परिवार ही सुरक्षा कवच हैं, जिसे आप इन शस्त्रों से कभी भेद नहीं सकते।' यह एक तरह से विपक्ष की ओर इशारा भी है कि हमले की उसकी तैयारी मुकम्मल नहीं है, निस्तेज एवं आधारहीन आरोपों की विपक्षी संस्कृति उसके लिये ही नुकसान का कारण बनती रही है। प्रधानमंत्री के जवाब ने बता दिया कि मजबूत सत्ता पक्ष के सामने बिखरे हुए विपक्ष की मंजिल अभी दूर है।–(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

विदेशी सैलानियों की सुरक्षा का सवाल?

–प्रभुनाथ शुक्ल–

भारत घूमने आए विदेशी सैलानियों की सुरक्षा का सवाल हमारे सामने यक्ष प्रश्न बनकर खड़ा है। विदेशी सैलानियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं जहाँ हमें कटघरे में खड़ा करती हैं वहीं दूसरी उनसे मारपीट, लूट और अधिक पैसे वसूलने की घटनाएं भी आम हैं।हमारे देश की संस्कृति अतिथि देव भवरू की है। झारखंड के दुमका में एक स्पैनिश महिला के साथ कथित तौर पर गैंगरेप की घटना हमारे लिए चिंता का विषय है। भारत हमेशा से विदेशी सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। यहां की प्राकृतिक बनावट और धार्मिक विविधता लोगों को यहां खींच लाती है। प्राकृतिक वातावरण विदेशी सैलानियों की पहली पसंद है। विदेशी पर्यटकों को भौगोलिक एवं प्राकृतिक बनावट के साथ विविधता में एकता की संस्कृति अपनी तरफ आकर्षित करती है।

दुमका में हुई सामूहिक दुष्कर्म की घटना कोई पहली वारदात नहीं है। भारत में अक्सर विदेशी पर्यटक इस तरह की घटना का शिकार होते हैं। आर्थिक दृष्टिकोण से भारत का पर्यटन देश की संवृद्धि में अच्छी खासी भूमिका निभाता है। लेकिन इस तरह की घटनाएं जहां हमारे देश की छवि को नुकसान पहुंचती है वहीं विदेशी पर्यटक यहां आने से डरते और घबराते हैं। हजारों की तादाद में विदेशी सैलानी एक बार भारत आए तो भारत के ही होकर रह गए। लेकिन विदेशी सैलानियों के साथ इस तरह की घटनाएं मारपीट, ठगबाजी हमारी छवि को प्रभावित करती हैं। इसके अलावा हमारे पर्यटन व्यवस्था पर भी सवाल उठाती है। दुमका में हुई सामूहिक दुष्कर्म की घटना हमारी संस्कृति और संस्कार के खिलाफ है। इस घटना में शामिल दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। केंद्र सरकार को राज्य सरकार से मिलकर आवश्यक कदम उठाने चाहिए। पर्यटन मंत्रालय को इस संबंध में विशेष कदम उठाने चाहिए जिससे ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। ऐसी घटनाओं की फेहरिस्त बहुत लंबी है। बार–बार ऐसी घटनाएं होने के बाद भी हम आवश्यक कदम नहीं उठा पाते हैं। विदेशी पर्यटकों के लिए खास सुरक्षा के इंतजाम होने चाहिए। भारत आने वाले पर्यटकों के लिए जो सरकारी स्तर पर विशेष गाइड की व्यवस्था होनी चाहिए। यह सरकारी एजेंसी के माध्यम से होनी चाहिए। भारत आने वाले ऐसे पर्यटक कहाँ ठहर रहे हैं। कहां जा रहे हैं। उनके लिए कहां रुकना अच्छा रहेगा। सरकार की तरफ से उन्हें सारी सुविधा और सूचना उपलब्ध होनी चाहिए। सिविल पुलिस के बजाय इसके लिए अलग से विशेष पर्यटन पुलिस होनी चाहिए। पर्यटन पुलिस की विशेष जिम्मेदारी विदेशी सैलानियों की सुरक्षा के संदर्भ में होनी चाहिए। विदेशी पर्यटकों की सुरक्षा के लिहाज से सरकार को इस तरह की व्यवस्था के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। विदेशी पर्यटकों के साथ आमतौर पर भाषा की भी समस्या होती है ऐसे में उसके समाधान के लिए भी आवश्यक कदम उठाने चाहिए। दुमका में हुई घटना में भी पुलिस और पीड़ितों के बीच भाषा की समस्या देखने को मिली है।

भारत आने वाली विदेशी पर्यटकों के लिए केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय की तरफ से स्पष्ट गाइडलाइन भी होनी चाहिए। पर्यटकों को यह निर्देश होना चाहिए की आप जहां जा रहे हैं वहां की भौगोलिक स्थिति क्या है। अगर आप पहाड़ी या आदिवासी इलाके में घूमने जा रहे हैं तो वहां क्या समस्या हो सकती है। पहाड़ और दूसरे जगह पर जा रहे हैं तो क्या –क्या सावधानी बरतनी चाहिए। स्थानीय लोगों के बारे में भी जानकारी देना आवश्यक है। उनकी सुरक्षा को लेकर जहाँ खतरा हो सकता है इस सम्बन्ध में उन्हें आगाह करने की भी आवश्यकता है।

विदेशी दूतावास को भी भारतीय दूतावास से संपर्क में रहना चाहिए। उनकी सुरक्षा और सुविधाओं का ख्याल रखना हमारा दायित्व है। इस तरह की घटनाएं विदेशी पर्यटकों में असुरक्षा का जहाँ माहौल पैदा करती हैं वहीं हमारी सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाती हैं। विदेशी पर्यटकों की सुरक्षा या अन्य मामलों में सीधे केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय का हस्तक्षेप होना चाहिए। पर्यटन अब ग्लोबल शौक बन चुका है। पर्यटन से दुनिया भर के देशों को एक अच्छी खासी आए हो रही है। कोविड में जहां पर्यटन व्यवस्था पर प्रभाव पड़ा था वहीं अब पर्यटन उद्योग तेजी से आर्थिक समृद्ध की ओर बढ़ रहा है। भारत वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में उभर रहा है। भारत की जीडीपी में पर्यटन उद्योग अच्छी खासी भूमिका निभा रहा है। भारत में विदेशी सैलानियों की संख्या दिनों–दिन बढ़ रही है। लेकिन दुमका जैसी घटनाएं पर्यटन उद्योग को कहीं न कहीं से प्रभावित करती है। दुमका की घटना को लेकर सियासी तीर भी चलने लगे हैं लेकिन यह राजनीतिक मुद्दा नहीं है इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

कार्यालय नगर पंचायत गायघाट-बस्ती।

नगर पंचायत गायघाट जनपद–बस्ती अपनी सीमा के अन्दर अचल सम्पत्ति के विलेखों पर कर लगाते हुए संयुक्त प्रान्त नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा–128(1) के उपखण्ड–13 (ख) के अधीन प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करके नगर पंचायत गायघाट जनपद बस्ती ने अपनी सीमा के अन्तर्गत अचल सम्पत्तियों के हस्तान्तरण विलेखों पर 02 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क आरोपित करने हेतु नियमावली बनायी गयी है। इस नियमावली को उक्त एक्ट की धारा 301 (2) के अन्तर्गत आपत्तियों एवं सुझाव आमंत्रित करने हेतु प्रकाशित किया जाता है।

उक्त उपविधि के आलेख के सम्बन्ध में यदि कोई व्यक्ति आपत्ति/सुझाव प्रस्तुत करना चाहता है तो उपविधि के प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर नगर पंचायत गायघाट जनपद बस्ती के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों /सुझावों पर कोई विचार नाहीं किया जायेगा।

(नियमावली)

1– सक्षिप्त शीर्ष नाम, प्रारम्भ और प्रवृत्तिः–

(क) यह नियमावली नगर पंचायत गायघाट जनपद बस्ती की सीमा के भीतर स्थित अचल सम्पत्ति के हस्तान्तरण के लेखों पर कर उगाहने से सम्बन्धित नियमावली कहलायेगी।

(ख) यह नियमावली उस दिनांक से प्रवृत्त होगी जब से नगर के भीतर अचल सम्पति के हस्तान्तरण के लेखों पर कर लगाया जाये।

(ग) यह नगर में स्थित अचल सम्पत्ति के हस्तान्तरण के समस्त लेखों पर प्रवृत्त होगी।

2– परिभाषायें:–विषय या प्रसंग में कोई बात प्रतिकूल न होने पर इस नियमावली में–

(क) ''अधिनियम'' का तात्पर्य सयुक्त प्रान्त नगर पालिका अधिनियम 1916 (यू०पी० अधिनियम संख्या 2 सन 1916 से है।

(ख) ''नगर'' का तात्पर्य नगर पंचायत गायघाट जनपद बस्ती से है।

(ग) ''शुल्का'' का तात्पर्य इण्डियन स्टाम्प एक्ट 1899 (एक्ट संख्या 2. सन् 1899) के अधीन अचल सम्पत्ति के हस्तांरण किसी लेख पर लगाये गये शुल्क से है।

(घ) इण्डियन स्टाम्प एक्ट का तात्पर्य उत्तर प्रदेश में अपनी प्रवृत्ति के सम्बन्ध में यथा संशोधित इण्डियन स्टाम्प एक्ट 1899 (एक्ट तख्या 2, सन् 1899) से है।

(ड.) ''नगर पंचायत'' का तात्पर्य नगर पंचायत गायघाट जनपद बस्ती से है।

(च) ''अधिशासी अधिकारी'' का तात्पर्य नगर पंचायत, नगर पंचायत गायघाट जनपद बस्ती के अधिशासी अधिकारी से है।

(छ) ''अध्यक्ष/प्रशासक/प्रभारी अधिकारों का तात्पर्य नगर पंचायत गायघाट जनपद बस्ती के अध्यक्ष/प्रशासक प्रभारी अधिकारी से है।

(ज) ''कर'' का तात्पर्य अधिनियम की धारा 128 की उपधारा (1) के खण्ड (13–ख) के अधीन लगाये गये कर से है।

3– नगर के भीतर स्थित अचल सम्पत्ति के हस्तान्तरण के किसी लेख पर इण्डियन स्टाम्प एक्ट द्वारा लगाया गया शुल्क हस्तान्तरित सम्पत्ति के जिलाधिकारी, बस्ती द्वारा निर्धारित सर्किल दर के अनुसार प्रभावी मूल्य (जिस पर स्टाम्प शुल्क देय हो) पर अथवा भोग बन्धक की दशा में हस्तावेज द्वारा प्रतिभूति धनराशि पर 02 प्रतिशत के हिसाब से बढ़ा दिया जायेगा।

4– 02 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क आरोपित करने की प्रकियाः– उक्त वृद्धि के फलस्वरूप उगाही गयी समस्त धनराशि प्रासंगिक व्ययो को यदि कोई हो तो काट लेने के पश्चात राज्य सरकार द्वारा नगर पंचायत गायघाट जनपद बस्ती को निम्नलिखित रूप से अदा की जायेगी।

(1) जब कभी नगर के भीतर स्थित अचल सम्पत्ति के हस्तान्तरण पर कोई लेख निबन्धन के लिए प्रस्तुत किया जाय तो निबन्धन अथवा सहायक निबन्धन अधिकारी यह सुनिश्चित कर लेगा कि इण्डियन स्टाम्प एक्ट की धारा–27 में निर्दिष्ट व्यौरा निम्नांकित क सम्बन्ध में दस्तावेज में पृथक–पृथक दिये गये है:–

(क) नगर के भीतर स्थित अचल सम्पत्ति और

(ख) नगर के बाहर स्थित सम्पत्ति।

(2) यदि ऐसे ब्यौर पृथक–पृथक न दिये गये हो तो निबन्धन अधिकारी उसे कलेक्टर को एक्ट की धारा 138–ए की उपधारा

(4) द्वारा नगर पंचायत पर लागू इण्डियन स्टाम्प एक्ट की धारा 64 के अधीन आवश्यक कार्यवाही के लिए भेजेगा।

5– कर का लेखा रखनाः– निवन्धन/सहायक निबन्धन अधिकारी प्रत्येक दस्तावेज में पृथक–पृथक लेखा रखेगा जिसमे वह शुल्क और कर का उल्लेख करेगा।

6– निबन्धन अथवा सहायक निबन्धन अधिकारी, इण्डियन रजिस्टेशन एक्ट 1908 (एक्ट सख्या–16 1908) की उपधारा (89) के अधीन दीवानी न्यायालय के द्वारा किये गये विक्रय के प्रमाण पत्रों की प्रतिलिपियों को प्राप्त कर और उन्हें अपनी पुस्तक संख्या–1 में नत्थी करेंगे तथा राजस्व अधिकारीगण शुल्क और कर का लेखा उसी प्रकार रखेगे।

7– निबन्धन अथवा सहायक निबन्धन अधिकारी जनवरी, अप्रैल, जुलाई और अक्टूबर के महीने में पृथक–पृथक तिमाही विवरण पत्र तैयार करेगा, जिसमे वह शुल्क और कर के रूप में अपने द्वारा वसूल की गयी धनराशि दिखायेंगा और उसे जिला निबन्धन अधिकारी को उपर्युक्त प्रत्येक महीने के पाँचवे दिनांक तक प्रस्तुत करेगा।

8– जिला निबन्धक अधिकारी उपर निर्दिष्ट प्रत्येक महीने के दसवें दिनांक तक तिमाही विवरण पत्रों को निम्न प्रारूप में भरकर निम्नांकित को भेजेगा।

(प्रारूप)

यू०पी० म्युनिसिपेलिटीज एक्ट 1916 की धारा 128–ए की उपधारा (1) के खण्ड– 14–बी0 के अन्तर्गत नगर पचायत गायघाट जनपद बस्ती की सीमा में स्थित अचल सम्पत्ति के हस्तान्तरण के लेख पत्रों पर उगाही गयी अतिरिक्त स्टाम्प.....

.....का त्रैमास.....का जिला बस्ती से सम्बन्धित विवरणः–

क्रम संख्या	लेख पत्रो को कुल संख्या	यू०पी० म्युनिसिपेलिटीज एक्ट, 1916 को धारा 128–ए की उपधारा 13 (ख) के अन्तर्गत उगाही गई धनराशि	कुल उगाही गयी धनराशि
1	2	3	4

1– निबन्धन महानिरीक्षक उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।

2–कनिष्ट सचिव राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।

3–अधिशाषी अधिकारी, नगर पंचायत गायघाट जनपद बस्ती।

4– महालेखाकार, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।

9–(1) नगर पंचायत की ओर से उगाही गयी कर की धनराशि ऐसे प्रासंगिक व्ययों को जो राज्य सरकार द्वारा समय–समय पर निर्धारित किए जाये। काट लेने के पश्चात प्रत्येक तिमाही के अन्त में नगर पंचायत गायघाट जनपद बस्ती को लौटा दी जायेगी। प्रतिदान की धनराशि प्राप्त करने के लिए अधिशाषी अधिकारी/अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी, नगर पंचायत प्रत्येक तिथि के अन्त में कनिष्ठ सचिव राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश इलाहाबाद द्वारा वित्तीय हस्त पुस्तिका खण्ड–1 के प्रपत्र संख्या–19 में दो प्रतियों में बिल प्रस्तुत करेगा। कनिष्ठ सचिव राजस्व परिषद, उत्तर प्रदेश इलाहाबाद द्वारा स्वीकृत किये जाने के पश्चात उसकी एक प्रति नगर पंचायत को लौटा दी जायेगी। जो स्वीकृत बिल के प्रस्तुत किये जाने पर स्थानीय कोषागार पर प्रतिदान की धनराशि प्राप्त करेगा।

(2) नगर पंचायत निबन्धन और स्टाम्प विभाग के कर्मचारियों को भी ऐसा मासिक पारिश्रमिक का भुगतान करेगी। जो नगर पचायत, के परामर्श से राज्य सरकार निर्धारित करेगी।

10–अभिलेखों का निरीक्षण–अधिशाषी अधिकारी या उसके द्वारा तदर्थ यथाविधि प्राधिकृत कोई अन्य व्यक्ति किसी शुल्क का भुगतान किये बिना कर की उगाही और नगर पंचायत को उसकी वापसी के सम्बन्ध में निबन्धन कार्यालय के किसी अभिलेख का निरीक्षण कर सकता है।

(ऋचा सिंह)
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत गायघाट, बस्ती

(सुनील कुमार)
अध्यक्ष
नगर पंचायत गायघाट, बस्ती

पत्रांकः– 559/न0पं0 गा0/अ0सम्प0 विलेख शुल्क/2023–24 दिनाँक 07–03–2024

परिजन शादी में गए थे, घर सूना पाकर खंगाल ले गए चोर

संवाददाता–महराजगंज। महराजगंज सदर कोतवाली क्षेत्र के पिपरा बाबू गांव में चोर आठ लाख के गहने व 70 हजार रुपये नगदी उठा ले गए। परिजन शादी समारोह में गए थे। गुरुवार की सुबह घर लौटने पर चोरी देख परिजन सन्न रह गए। कोतवाली पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने जांच–पड़ताल की। पिपरा बाबू गांव निवासी मनीष मद्धेशिया के मुताबिक परिवार करमहा गांव में चाचा के घर शादी समारोह में गया था। चोर छत के रास्ते घर के अंदर घुसे। कमरे का ताला तोड़ पूरे घर को इत्मीनान से खंगाला। आलमारी में रखे कीमती गहने व नगदी उठा ले गए। गुरुवार की सुबह परिजन जब शादी से घर वापस लौटे तो कमरे का ताला टूटा देख अवाक हो गए। कमरे में जाकर देखा तो सभी गहनों का बाक्स खाली था। ज्वेलरी गायब थी। हार व कान का सेट समेत करीब आठ लाख रुपये मूल्य का गहना चोर उठा ले गए। घर में रखा 70 हजार रुपये नगदी भी गायब थी। चोरी की सूचना मिलते ही गांव में सनसनी मच गई। परिवार की महिलाएं रोने–बिलखने लगीं।

कोतवाली के दरोगा हमराहियों के साथ मौके पर पहुंचे। मौका मुआयना किया। परिजनों से पूछताछ भी की। परिजनों के मुताबिक छत के करीब से बिजली का तार गुजरने से उपर मंजिल का निर्माण नहीं करा पाए थे। चोर छत के रास्ते घर के अंदर पहुंचे। कमरों व आलमारी का ताला तोड़ चोरी की।

वाहन की टक्कर से इलेक्ट्रीशियन की मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। सड़क पर पैदल जा रहे इलेक्ट्रीशियन को तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। जिसमें इलेक्ट्रीशियन गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसकी मौत हो गई।

सोनवा थाना क्षेत्र के बभनचक मोड़ के पास बुधवार देर शाम को बस से उतर कर पैदल ही घर जा रहे व्यक्ति को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। बहराइच जिले के थाना कोतवाली नगर स्थित बशीरगंज निवासी अजीम (30) पुत्र सलीम इलेक्ट्रीशियन का काम करता था। बुधवार को दिन में वह किसी काम से भिनगा गया था। काम समाप्त होने के बाद वह देर शाम को वह घर लौट रहा था। सोनवा के बभनचक मोड़ के पास पहुंचा और बस से उतर की पैदल ही घर के लिए चल पड़ा। इस दौरान बहराइच की ओर से तेज रफ्तार से आ रहे अज्ञात वाहन ने अजीम को टक्कर मार दी। इससे वह गंभीररूप से घायल हो गया। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसकी मौत हो गई। मृतक के चाचा मोबिन पुत्र हबीब ने सोनवा थाने में तहरीर देकर जरूरी कार्रवाई की मांग की है।

हत्या के दोषी बुजुर्ग को आजीवन कारावास की सजा

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा क्षेत्र के ग्राम सभा चंडीथान में 22 वर्ष पूर्व लाठी–डंडे से पीटकर छांगुर की हत्या करने के मामले में ब्रह्मदेव (67) को दोषी मिलने पर सत्रञ्जनपद न्यायाधीश नीरज कुमार ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 50000 रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी बृजेंद्र नाथ त्रिपाठी ने बताया कि ग्राम सभा चंडीथान, थाना नौतनवा निवासी रामवचन पुत्र छांगुर यादव ने दी तहरीर में बताया था कि गांव के ब्रह्मदेव, रिंकू एवं रामललित 14 जुलाई 2002 को सुबह पांच बजे मेरे आम के पेड़ के पास गड्ढा खोद रहे थे। जब उसने मना किया तो तीनों गाली देते हुए उसे और उसके पिता, भाई रामजतन व रामदास को लाठी–डंडे से पिटाई कर दी, जिससे पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। गोरखपुर मेडिकल कॉलेज ले जाते समय पिता की रास्ते में मौत हो गई। थाना नौतनवा में केस दर्ज कर आरोपी ब्रह्मदेव पुत्र राम ललित एवं राम ललित पुत्र वंशराज एवं रिंकू के विरुद्ध आरोप पत्र प्रेषित किया गया। विचारण के दौरान रिंकू को नाबालिक घोषित कर दिया गया। राम ललित पुत्र वंशराज की मुकदमे के विचारण के दौरान मौत हो गई। आठवां एवं 12 दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत कर सजा की मांग की गई। न्यायालय ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य एवं सबूत के आधार पर सजा सुनाई है।

स्वयंसेवकों ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

संवाददाता–महराजगंज। डॉक्टर राम मनोहर लोहिया पीजी कॉलेज नौतनवा के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में पुरैनिहा प्राथमिक विद्यालय पर चल रहे विशेष शिविर में गुरुवार को मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। स्वयंसेवकों ने इस दौरान नाटक के माध्यम से गांव के लोगों को लोकतंत्र के महत्व को बताया। मतदाता जागरूकता रैली के दौरान स्वयंसेवक एवं सेविकाओं ने मतदान हमारा अधिकार के तहत लोगों को जागरूक किया। कहा कि लोकतंत्र के पर्व में हर व्यक्ति को शामिल होना चाहिए। स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों को अपने आसपास साफ सफाई रखने एवं पानी का जमाव पर होने वाली बीमारियों के प्रति सचेत किया। इस दौरान मुख्य रूप से कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विमल कुमार यादव, प्राचार्या डॉ. मिथिलेश शुक्ला, डॉ. रंजना सिंह, सुशील कुमार यादव, सुनील कुमार यादव, परवेज अहमद, राजेश यादव, राबिया खातून सहित बड़ी संख्या में एनएसएस के स्वयंसेवक मौजूद रहे।

पोलिंग बूथ का निरीक्षण कर सुविधाओं का परीक्षण करें सेक्टर मजिस्ट्रेट –एडीएम

संवाददाता–महराजगंज। सामान्य लोकसभा चुनाव को सकुशल, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शान्तिपूर्ण माहौल में सम्पन्न कराने के लिए उप जिला निर्वाचन अधिकारीध्डीएम डॉ. पंकज कुमार वर्मा ने कलक्ट्रेट सभागार में सभी सेक्टर मजिस्ट्रेटों के साथ बैठक की। सभी मतदेय स्थल के रूट का निरीक्षण का मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण कर जांच आख्या मुहैया कराने का निर्देश दिया। ताकि समय से कर्मियों को पूरा कराया जा सके।

एडीएम ने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि आवंटित बूथ पर मतदान के दिन पोलिंग पार्टियां की रूट चार्ट के अनुसार रवानगी करायी जाए। उन्होंने कहा कि चुनाव एक महत्वपूर्ण कार्य है। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता किसी स्तर पर स्वीकार्य नहीं है। प्रत्येक स्तर पर सर्तकता की आवश्यकता है। ऐसे में सेक्टर मजिस्ट्रेट स्वयं बूथों तक रूट का निरीक्षण कर मूलभूत सुविधाओं को देखें। निरीक्षण के समय बूथों पर जो भी कमियां हो उसकी जानकारी उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाये जाए, ताकि संसमय कमियों को दूर किया जा सके और मतदान के समय कोई व्यवधान उत्पन्न न हो। बैठक में एसडीएम फरेन्दा नवीन प्रसाद, एसडीएम नौतनवां नन्द प्रकाश मौर्य, एसडीएम निचलौम मुकेश कुमार सिंह, सूचना विज्ञान अधिकारी मनोज कुमार, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी विजय प्रताप सहित सेक्टर मजिस्ट्रेट उपस्थित रहे। एसडीएम सदर रमेश कुमार ने मुंडेरा कला, सिन्दुरिया व पतरँगवा गांव में लोकसभा चुनाव के लिए बनाए गए मतदान केन्द्र के बूथों पर न्यूनतम सुविधाओं का निरीक्षण किया। विद्यालय की बाउंड्री, साफ–सफाई, पेयजल, वोटरों के बैठने के लिए स्थान, रैम्प आदि का मुआयना कर रिपोर्ट तैयार किया। कहा कि बूथों पर सभी व्यवस्था मौजूद हैं। सफाई कर्मियों को निर्देशित किया गया है कि वह नियमित सफाई करते रहें। जो भी कमियां हैं उसे दुरूस्त करा लिया जाएगा। निरीक्षण के बाद एसडीएम श्यामदेउरवा थाना में पहुंचे। पीस कमेटी की बैठक में ग्रामीणों व ग्राम प्रधानों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

भाजपा का टिकट लेकर देवरिया पहुंचने पर रविन्दर कुशवाहा का ढोल–नगाड़ों से स्वागत

संवाददाता–देवरिया। भाजपा से टिकट मिलने के बाद गुरुवार को देवरिया पहुंचने पर सलेमपुर के सांसद रविन्दर कुशवाहा का पार्टी कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। सदर रेलवे स्टेशन पर जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता पहले से मौजूद थे।

यहां वैशाली सुपरफास्ट एक्सप्रेस से उतरते ही कार्यकर्ताओं ने नारीबाजी करते हुए उनको फूल मालाओं से लाद दिया। सदर रेलवे स्टेशन से उनका काफिला शहर के सुभाष चौक पर पहुंचा। रविन्दर कुशवाहा ने यहां नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। यहां पर भी मौजूद दर्जनों भाजपा कार्यकर्ताओं ने रविन्दर कुशवाहा का माला पहनकर स्वागत किया। इसके बाद सभी लोग न्यू कॉलोनी स्थित दीनदयाल पार्क पर पहुंचे। यहां पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का माल्यार्पण किया गया। दीनदयाल पार्क से सांसद का काफिला सलेमपुर के लिए रवाना हो गया। रास्ते में दर्जनों जगह उनका भाजपा कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़े के साथ स्वागत किया। स्वागत करने वालों में जिला पंचायत अध्यक्ष गिरीश चंद्र तिवारी, भाटपाररानी के विधायक सभाकुंवर कुशवाहा, बरहज के विधायक दीपक मिश्र शाका, जयनाथ कुशवाहा, राजेश मिश्र, राहुल सिंह, विजय कुमार दुबे, ओमप्रकाश मौर्य, अमित सिंह बबलू आदि मुख्य रहे।

स्वागत कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत में सांसद रविन्दर कुशवाहा ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार केंद्र में भाजपा की सरकार बनाने के लिए सलेमपुर की जनता बड़े मतों के अंतर से उन्हें विजई बनाएगी। ओमप्रकाश राजभर के द्वारा विरोध किए जाने की बात पर कहा कि कुछ गलतफहमियां थीं जो दूर हो गई हैं। अब वह भी भाजपा को जीताने के लिए तन–मन से लगे हैं। पार्टी सलेमपुर में बड़ी जीत दर्ज करते हुए अब तक का इतिहास बनाएगी।

क्विज प्रतियोगिता में बच्चों ने प्रतिभाग किया

संवाददाता–श्रावस्ती। सिरसिया ब्लॉक संसाधन केन्द्र में एक दिवसीय राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत क्विज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें कक्षा छह से आठ तक के बच्चे शामिल हुए। खंड शिक्षाधिकारी राजीव कुमार ओझा ने बताया कि प्रतियोगिता को तीन चरणों में कराया गया है। प्रथम चरण में करीब 600 बच्चों ने क्विज प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। द्वितीय चरण में 100 बच्चों ने प्रतिभाग किया और तृतीय चरण में 40 बच्चों में से साक्षात्कार के बाद 20 बच्चों का फाइनल चयन किया गया। जिन्हें प्रशस्ति पत्र, मेडल, ट्राफी व स्टेशनरी किट आदि देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में पूर्व माध्यमिक विद्यालय कटकुइयां के उदय राज प्रथम रहे। इस मौके पर अयोध्या प्रसाद रानस, डाक्टर दीपक केसरवानी, दिनेश प्रजापति, चांद बाबू, जय प्रकाश मिश्र आदि मौजूद रहे।

लोकसभा चुनाव को लेकर चौकन्ना हुई पुलिस

संवाददाता–श्रावस्ती। आगामी दिनों में लोक सभा चुनाव होने हैं। चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए पुलिस चौकन्ना हो गई है और भारत नेपाल सीमा पर निगरानी तेज कर दी गई है। इसी क्रम में सीओ ने एसएसबी संग बैठक कर जरूरी निर्देश दिए साथ ही पैदल गश्त कर सुरक्षा का जायजा लिया।

लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया की ओर से जनपद में कानून व सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

सीएम योगी देंगे एनसीसी ट्रेनिंग एकेडमी की सौगात, 10 एकड़ में होगा निर्माण

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर को एक और बड़ी सौगात देने जा रहे हैं। सीएम, शनिवार (9 मार्च) को गोरखपुर में एनसीसी (राष्ट्रीय कैडेट कोर) की ट्रेनिंग एकेडमी का शिलान्यास करेंगे। इससे पूर्वांचल के युवाओं के लिए फौज में जाने के अवसर बढ़ेंगे। एनसीसी एकेडमी का निर्माण सिक्टौर (तालकंदला) में 10 एकड़ भूमि पर किया जाएगा और इसके निर्माण पर 47.88 करोड़ रुपये की लागत आएगी। एनसीसी के ट्रेनिंग एकेडमी का निर्माण कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज, जल निगम, यूनिट–42, गोरखपुर द्वारा कराया जाएगा। एकेडमी में प्रशासनिक भवन, 150 छात्रों की क्षमता के बालक छात्रावास, 100 छात्राओं की क्षमता के बालिका छात्रावास, डायनिंग हाल, टायलेट ब्लाक, विद्युत स्टेशन, आउटडोर मल्टीएक्टिविटिज एरिया, 50 मीटर के आउटडोर शूटिंग रेंज, ड्रिल प्रैक्टिस पथ, फुटबाल फील्ड, आष्टिकल कोर्स एवं पुशप बीम आदि की सुविधा होगी। इसके अलावा 7.17 करोड़ रुपये की लागत से चहारदीवारी के निर्माण, सभी किनारों पर संतरी पोस्ट, गार्ड रूम, हाईमास्ट फ्लड लाइट के कार्य कराए जाएंगे। एकता और अनुशासन आदर्श वाक्य वाले एनसीसी ग्रुप गोरखपुर, उत्तर प्रदेश के पूर्वी भाग के 11 जिलों का प्रतिनिधित्व करता है। इसमें देवरिया, कुशीनगर, गोरखपुर, महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बस्ती, संतकबीरनगर, गोडा, बलरामपुर श्रावस्ती एवं बहराइच शामिल हैं। इससे जुड़े विश्वविद्यालयों, स्कूलों और कालेजों के कैडेटों को प्रशिक्षण देने हेतु प्रति वर्ष औसतन 25 से 30 संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर, थल सेना शिविर, इंटर ग्रुप कम्पटीशन, गणत्रंत दिवस परेड की तैयारी और गणेश वासुदेव मावलंकर शूटिंग प्रतियोगिता के आयोजन के साथ ही अनेक सामाजिक गतिविधियां भी इस ग्रुप की तरफ से आयोजित की जाती हैं।

तीन कस्तूरबा विद्यालयों की बदलेगी तस्वीर

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के तीन कस्तूरबा विद्यालय सभी सुविधाओं से सुसज्जित होंगे। इन्हें पूर्ण विकसित करने के लिए जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर ने करीब एक करोड़ रुपए जिला खनिज फाउण्डेशन न्यास निधि से दिया है। लोक निर्माण विभाग के द्वारा इनके विकास का कार्य कराया जाएगा। डीएम ने जल्द से जल्द सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। वे खुद विद्यालयों के विकास कार्यों का नियमित निरीक्षण करेंगे, जिससे गुणवत्तापूर्ण कार्य हो सके।

जनपद में सात कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय हैं। जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर ने जनपद का कार्यभार ग्रहण करते ही इनके विकास को लेकर जरूरी निर्देश दिए थे। कई जगह कार्य भी प्रारंभ हो गए हैं। लेकिन धन की कमी इनके विकास में आड़े आ रही थी। डीएम ने इस कमी को दूर करते हुए जिला खनिज फाउंडेशन न्यास निधि से ध नराशि आवंटित किया है। जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर ने बताया कि इस निधि ा से कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय कोचरी, कालीजगदीशपुर और मेंहदावल का विकास कराया जाएगा। कोचरी के लिए 30 लाख 95 हजार, कालीजगदीशपुर में 31 लाख 67 हजार और मेंहदावल के लिए 28 लाख 81 हजार रुपए आवंटित किया गया है। इस धनराशि से भवन, आवासीय भवन के मरम्मत और उसके विकास का कार्य किया जाएगा। छात्राओं के ठहरने की बेहतर व्यवस्था के साथ ही संसाधनों से सुसज्जित कराया जाएगा। इसके अलावा परिसर के विकास का कार्य मनरेगा सहित अन्य योजना से कराया जाएगा।

गैगेस्टर का मकान कुर्क करने गई टीम लौटी, तीन दिन की मोहलत

संवाददाता–गोरखपुर। चिलुआताल थाना क्षेत्र में रहने वाले एक गैंगस्टर के मकान को जिलाधिकारी के आदेश पर कुर्क करने गई टीम को मकान में रह रहे महिलाओं की जिद के आगे झुकना पड़ा। तीन दिन की मोहलत देकर टीम लौट आई। अब आगे की कार्यवाही सोमवार को होना सुनिश्चित हुआ है। शाहपुर थानांतर्गत गायत्रीपुरम में राजीव तिवारी एवं उनकी पत्नी शिप्रा तिवारी, बच्चे और उसकी मां मकान बना कर रहते हैं। राजीव तिवारी एम्स व कई अन्य जगहों पर नौकरी दिलाने के नाम पर दर्जनों लोगों से करोड़ों रुपये की जालसाजी कर चुका है। उसके इस कृत्य में उसकी पत्नी शिप्रा तिवारी भी शामिल है। जिले के कई थानों में मुकदमा दर्ज होने के बाद राजीव के ऊपर गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई की जा चुकी है। जेल जाने के बाद मौजूदा समय पति–पत्नी जमानत पर बाहर हैं। जिलाधिकारी के आदेश पर बुधवार को मकान कुर्क करने का आदेश तामील कराया गया था। गुरुवार को नायब तहसीलदार मजिस्ट्रेट हिमांशु सिंह व थाना प्रभारी खोराबार विजय कुमार सिंह अपनी टीम के साथ मकान कुर्क करने पहुंचे। वहां पर राजीव की पत्नी शिप्रा और उसकी सास एवं बच्चों के जिद के आगे अधिकारी तीन दिन में मकान खाली करने का आश्वासन देकर लौट गए। अब अगली कार्रवाई सोमवार को होगी।

हाईकोर्ट के आदेश पर जमीन तलाश रहा प्रशासनिक अमला

संवाददाता–गोरखपुर। शहर में तीन स्थानों पर बेशकीमती जमीनों की तलाश प्रशासन ने शुरू कर दी है। मामला 200 एकड़ जमीन का है। हाईकोर्ट के निर्देश पर जांच कर तीन महीने में पूरी कर आख्या के साथ रिपोर्ट देनी थी, लेकिन अभी तक मामला किसी नतीजे पर नहीं पहुंचा है। उप जिलाधिकारी ने उच्च न्यायालय के निर्देश पर 17 जनवरी 2024 को एक टीम गठित की थी। इसमें नायब तहसीलदार के साथ आठ लेखपालों की तैनात किया गया था। इन बेशकीमती जमीनों की तलाश के लिए एक महीने का समय देते हुए टीम का गठन किया गया, जो बीत चुका है। दरअसल, बाबू गिरधरदास के पौत्र विपुल मोहन दास की पॉवर ऑफ एटॉर्नी वाले अनिल गर्ग ने उच्च न्यायालय में 2022 में एक रिट याचिका दाखिल की थी। तर्क दिया था कि 2005 में उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद के निर्देश के बाद भी शहर के रईस बाबू पुरूषोत्तम दास और बाबू गिरधरदास की महादेव झारखंडी में जमीनों के अलावा जंगल रामगढ़ उर्फ रजही और जंगल तिनकोनिया नंबर तीन की बेशकीमती जमीनों के खतौनी का पुनर्निर्माण नहीं किया गया।

2 नवंबर 2023 को उच्च न्यायालय ने 2005 के राजस्व परिषद के निर्देश को पारित नहीं किए जाने का हवाला देते हुए जिला मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया कि खतौनी का पुनर्निर्माण कर इसे प्रेषित करें। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि पक्की नकल के साथ

याचिकाकर्ता इसे ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करेंगे। 17 नवंबर 2023 को अनिल गर्ग की तरफ से पक्की नकल के साथ ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के समझ उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन के लिए पेश किया गया। 30 नवंबर 2023 को एक बार फिर से उच्च न्यायालय के आदेश का रिमाइंडर अनिल गर्ग की तरफ से किया गया, जिसपर वर्तमान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने आठ अधिकारियों की टीम से तीनों ग्राम खतौनी के पुर्ननिर्माण किए जाने का निर्देश जारी कर दिया। टीम के समय दिया कि जांच पूरी कर तय समय में आख्या प्रस्तुत करें।

शहर के बाबू पुरूषोत्तम दास और बाबू गिरधर दास के पास महादेव झारखंडी के जिल्द बंदोबस्त (जमींदारी) की जमीन थी। इन जमीनों को दोनों लोगों ने तत्कालीन पिपराइच चीनी मिल को पट्टे पर दी थी। इस जमीन पर चीनी मिल के लिए गन्ना उगाया जाता था। सन् 1948 में पुरुषोत्तम दास रईस ने पट्टा निरस्त कर अपनी जमीन वापस ले ली थी। 1957 में चीनी शुगर मिल को नीलाम कर दिया था, जिसे एक शुगर मिल कंपनी ने खरीद लिया था। इधर, 1971 में बाबू गिरधर दास रईस का चीनी मिल के नाम दिया पट्टा खत्म हो गया था। पॉवर ऑफ एटॉर्नी वाले अनिल गर्ग की मानें तो इसी बीच जिल्द बंदोबस्त में खेल कर खतौनी का हाल नंबर(राजस्व के अभिलेख का तत्कालीन रिकार्ड) बदलते हुए दूसरों के नाम पर चढ़ा दिया गया। इसके पूरे राजस्व रिकार्ड की असली नकल अनिल गर्ग की तरफ से उच्च न्यायालय में जमा कराया गया।

नायब तहसीलदार खोराबार अरविंद पांडेय ने बताया कि खतौनी पुनर्निर्माण की जांच मिली है। अभी कुछ दिन पहले सभी गठित टीम के सदस्यों के साथ बैठक भी हुई थी। ये मामला थोड़ा पेचीदा है तो इतनी जल्दी इसपर कुछ कह पाना ठीक नहीं है। आवेदनकर्ता से और भी उनके दावे के प्रपत्रों की मांग की जाएगी। अभी कुछ भी कह पाना जल्दी होगा। जांच शुरू हो गई है।

आसाराम की रिहाई को लेकर सड़क पर उतरे अनुयायी, डीएम को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–गोरखपुर। 11 वर्षों से जेल में बंद संत आसाराम बापू की रिहाई की मांग को लेकर योग वेदांत सेवा समिति के तत्वाधान में अनुयायियों ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। इस दौरान जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर आसाराम बापू के अनुयायियों ने सांकेतिक प्रदर्शन भी किया।

राकेश सिंह पहलवान के नेतृत्व में संत आसाराम के भक्तों का हुजूम गुरुवार को सड़क पर उतरा। हाथों में होर्डिंग बैनर लिए भक्तों ने आसाराम को निर्दोष बताते हुए रिहाई की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी की। इस दौरान बड़ी संख्या में महिला पुरुष शामिल रहे। राकेश सिंह पहलवान ने बताया कि वयोवृद्ध 86 वर्षीय संत आसाराम बापू निर्दोष हैं। उन्हें साजिश के तहत फंसाया गया है। इसीलिए आज उनकी रिहाई की मांग को लेकर जगह–जगह सड़क पर उतारकर उनके लाखों पुरुष महिला अनुयायी प्रदर्शन कर रहे है। बापू की बीमारी का समुचित इलाज और रिहाई को लेकर अनुयायियों में काफी चिंता है। उनकी बीमारी का आयुर्वेदिक उपचार करने की उनकी मांग को कोर्ट द्वारा खारिज कर दिया जा रहा है।

राम–रहीम को पैरोल मिल रहा है, लेकिन संत आसाराम बापू को 11 सालों में एक बार भी पैरोल नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि उनके स्वास्थ्य की गंभीर अवस्था को देखते हुए उन्हें जमानत या पैरोल दी जाए। इस प्रदर्शन में राकेश सिंह पहलवान, ए. सक्सेना, गायत्री यादव, मधु लखमानी, रविंद्र पांडेय, सुरेंद्र चंद्र जायसवाल, योगेंद्र राय, संजय सिंह, लाला सिंह, राजकुमारी सिंह, सुमन शर्मा, सुनीता गुप्ता, निर्मला तिवारी, मनीषा साहू, रामवती देवी, निर्मला देवी, मधु त्रिवेदी, सुधा पांडेय आदि मौजूद रही।

महाशिवरात्रि आज, तामेश्वरनाथ पहुंचे डीएम, एसपी

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में महाशिवरात्रि पर्व को लेकर प्रशासन ने तैयारी तेज कर दी है। सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन ने सभी प्रमुख मन्दिरों पर व्यवस्था की है। इसके अलावा तामेश्वरनाथ धाम में भव्य तैयारी की जा रही है। यहां पर भारी संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए आते हैं। यहां पर लगने वाला मेला 10 दिनों तक चलता है। जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर और एसपी सत्यजीत गुप्ता ने शाम को मन्दिर पहुंचकर वहां का निरीक्षण किया। एसडीएम और सीओ को जरूरी निर्देश दिए।

तामेश्वरनाथ शिव मन्दिर में शिवरात्रि पर्व के सम्बन्ध में की जा रही तैयारियों के दृष्टिगत भ्रमण कर कानून व्यवस्था की जानकारी ली। मन्दिर में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था व भीड़ प्रबन्धन के लिए सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जलाभिषेक के लिए लगने वाली लाइन की बैरिकेडिंग व रूट डायवर्जन के बारे में जानकारी ली। मेला स्थल के आसपास सीसीटीवी लगवाने, अग्निशमन दल व वालण्टियर्स की सेवा लेने के साथ ही खोया पाया कैम्प आदि स्थापित करने के लिए बताया गया। साथ ही मेला आयोजकों व स्वयंसेवी संस्थाओं के सदस्यों से बात कर जलाभिषेक करने वाले श्रद्धालुओं के आवागमन मार्ग, विश्राम स्थान, भोजन व्यवस्था व बिजली आदि से सम्बन्धित विभिन्न बिन्दुओं पर बात कर निर्देश दिया। इस दौरान एसडीएम शैलेन्द्र दूबे, कोतवाल बृजेन्द्र पटेल, पीआरओ पुलिस अधीक्षक जीतेन्द्र यादव आदि मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

वाद सं0 C 202317000000921

अदालत– श्रीमान आयुक्त बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती

राधेश्याम

बनाम

रविशंकर आदि

1. रविशंकर पुत्र ऋषिकेश 2. मु0 पार्वती देवी पत्नी ऋषिकेश साकिनान देवकली तप्पा कबरा परगना महुली पश्चिम तहसील सदर जिला–बस्ती 3. श्रीराम पुत्र बदलू 4. श्रीमती मन्जू देवी पत्नी रामसुरेश साकिनान गौरी तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील सदर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 22–04–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 22 महीना 04 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 07 माह 03 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

हार्डवेयर की दुकान में शार्ट सर्किट से लगी आग, लाखों का सामान जलकर खाक

संवाददाता–गोरखपुर। बड़हलगंज कस्बे के बाईपास पर स्थित जायसवाल इंटरप्राइजेज हार्डवेयर की दुकान में बुधवार रात बिजली की शार्ट सर्किट से लगी आग से 90 हजार नगदी सहित लाखों का सामान जल गया। दुकान के मालिक हरिश्चंद्र जायसवाल के मुताबिक करीब 20 लाख का नुकसान हुआ है। जायसवाल ने बताया कि बुधवार की रात दुकान बंद कर घर चला गया। रात में दो बजे के आसपास शार्ट सर्किट से दुकान मे आग लग गई। गुरुवार भोर में फोन से सूचना मिली कि दुकान से आग निकल रही हैं। वह भागकर दुकान पर पहुंचा। उस समय दुकान में आग विकराल थी। फायर ब्रिगेड ने घंटों मशकक्त के बाद आग पर काबू पाया। तब तक दुकान में रखे 90 हजार रुपये नगद, 100 पेटी वेल्डिंग रॉड, 25 पावर आयरलैंड कटर, 15 कटर मशीन, 30 हैंड ड्रिल मशीन, दीवार–दरवाजा व छत फिटिंग का सामान, स्टील डिजाइन, दो लैपटॉप, डेस्कटॉप, 500 पीस शटर साइड लॉक आदि सामान जल गया था।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद उ.प्र. हाई स्कूल वर्ष **2021** अनुक्रमांक **212654588** का अंक पत्र एवं सह अंक पत्र (सनद) वास्तव में खो गया है।

(अंशिका राव)
पुत्री श्री श्रवण कुमार
ग्राम– हथिया
पोस्ट– नरायनपुर
जनपद– बस्ती (उ.प्र.)
मो0 9838651714

कट खोलने की मांग के साथ सहजनवा के व्यापारियों ने दुकानें बंद कर किया मार्च

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर–लखनऊ हाईवे पर सहजनवा थाना चौराहे पर कट खोलने की मांग को लेकर गुरुवार को सहजनवा के व्यापारियों ने दुकानें बंद कर दिया। पूरे कस्बे में मार्च करते हुए तहसील पर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा।

सहजनवा के व्यापारियों ने स्वेच्छापूर्वक दुकानें बंद कर रेलवे स्टेशन परिसर में एकत्रित होकर पूरे कस्बे में मार्च करते हुए थाना चौराहे पहुंचे। वहां नारेबाजी करते हुए कट खोलने की मांग की साथ ही तहसील पहुंचकर एसडीएम को ज्ञापन दिया। व्यापार प्रतिनिधिमण्डल के अध्यक्ष पुरुषोत्तम दास गुप्ता के नेतृत्व में एसडीएम को ज्ञापन में मांग की कि हाईवे से सहजनवा से बखिरा मार्ग के हजारों लोग सफर करते है। यह मार्ग बांसी, सिद्धार्थनगर, नेपाल तक को जोड़ता है। कालेसर से सहजनवा कस्बे तक सभी कट महीनों से बन्द हैं, जबकि लखनऊ–गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर अन्य किसी जगह कट बन्द नहीं किया गया है। कस्बे में कट बन्द होने से बाजार टापू बनकर रह गया है। व्यवसाय पर काफी असर पड़ रहा है। अगर कट नहीं खोला गया तो व्यवसाय पर और असर पड़ेगा। इसके अलावा छात्र–छात्राओं, कर्मचारियों को भी लगभग चार से छह किलोमीटर का चक्कर काटकर जाना पड़ रहा है। यदि चौराहे पर जाम लग रहा है तो स्थायी समाधान के रूप में ट्रैफिक चौराहा बनाकर कैमरा लगा दिया जाए। पुरानी जूट मिल व गीडा के मिलों के व्यवसायी अपना सामान न तो बाहर से मंगा पा रहे है न ही बेच पा रहे हैं। अगर कट जल्द नहीं खोला गया तो व्यापारी बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस दौरान नागेंद्र सिंह, प्रमोद बुधिया, गोविंद कनोडिया, विनोद सुरेका, पशुपति नाथ भारतिया, सुशील सिंघानिया, पवन सिंह, संजय क्याल, संजय सिंह, मनीष मर्दा, संजय शुक्ला, संतोष गुप्ता, अविनाश यादव, जितेंद्र सिंह, रविंद्र यादव अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

गांव–गांव चला मतदाता जागरूकता अभियान

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में लोकसभा चुनाव में अधिक से अधिक मतदान करने तथा मतदान के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष अभियान जिले में चल रहा है। गांव–गांव जागरूकता रैली निकाली गई। लोगों को मतदान के महत्व को बताते हुए उनसे इसमें बढ़चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। विकास खंड सेमरियावां के ग्राम पंचायत परसा शेख में कार्यक्रम आयोजित हुआ। नोडल अधिकारी जिला प्रबंधक कौशल विकास मिशन धीरेंद्र विक्रम सिंह ने ग्राम वासियों को लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 जैसे महापर्व में शत प्रतिशत मतदाताओं को घर से निकलकर मतदान करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान जागरूकता रैली निकाली गई। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी सुरेश कुमार मौर्य, सहायक विकास अधिकारी पंचायत मोइनुद्दीन सिद्दीकी, ग्राम पंचायत सचिव देव प्रताप सिंह, ग्राम प्रधान राम वृक्ष यादव, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने के लिए लखनऊ से चलकर आई उर्मिला पांडेय, अंजू यादव मौजूद रहे। बेलहर के मंझरिया पठान गांव में सचिव पंकज सिंह के नेतृत्व में ग्रामीणों ने रैली निकालकर लोगों को मतदान करने के लिए जागरूक किया। लोकसभा चुनाव में बढ़– चढ़कर मतदान करने और मत प्रतिशत को बढ़ाने को लेकर सभी लोगों को जागरूक किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने सभी को अपने परिवार व रिश्तेदारों को भी जागरूक करने और अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की। ग्राम पंचायत अधिकारी पंकज सिंह ने कहा लोकतंत्र की मजबूती के लिए लोगों को मतदान अवश्य करना चाहिए। इस दौरान प्रधान प्रतिनिधि बाबूलाल, सुप्रिया राय आदि लोग मौजूद रहे। मेंहदावल ब्लाक के नन्दौर गांव में लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर मतदाता जागरूकता रैली निकाली। लोगों को मतदान का महत्व बताते हुए मतदान के प्रति जागरूक किया। क्षेत्र के विकास के लिए मतदान के अधिकार को हथियार की तरह उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। नन्दौर के पंचायत भवन से सचिव दीप श्रीवास्तव व ग्राम प्रधान सोनू खान ने जागरूकता रैली को रवाना किया।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0)/एफ0टी0सी0 बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0 355/2006

केशवराम

बनाम

राजकुमार

3/1 श्रीमती रिंकी देवी वयस्क पत्नी राजकुमार 3/2 श्रीमती नीलम देवी वयस्क पत्नी शिव कुमार निवासीगण ग्राम कलवारी परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 02–04–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 02 माह 04 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0 165/2022

अब्दुल सत्तार (मृतक) आदि

बनाम

राम लौटन (मृतक) आदि

1. राम लौटन (मृतक) 1/1 बुद्धिराम 1/2 रामजग पुत्रगण रामलौटन 2. रामबली (मृतक) 2/1 कलावती देवी पत्नी रामबली 3. राम सूचित पुत्र रामलखन साकिनान मौजा नाथपुर पाण्डेय तप्पा बनगवां परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

–विपक्षीगण प्रथम वर्ग

4. वली मोहम्मद (मृतक) 4/1 सुबराती पुत्र वली मोहम्मद साकिन नाथपुर पाण्डेय तप्पा बनगवां परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

–विपक्षी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 28–03–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 28 माह 03 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान पंचम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0 438/2022

शिवपाल

बनाम

जटाशंकर

1. जटाशंकर पुत्र मुरली साकिन अशोकपुर तप्पा बनगंवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 25–04–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 25 माह 04 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

नाम संशोधन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी सगीर अहमद पुत्र स्वर्गीय श्री सरदार अहमद माता श्रीमती नजमा खातून मोहल्ला कटरा निकट आई.टी.आई. पोस्ट– गांधीनगर जनपद बस्ती का निवासी हूं। मेरे आधार कार्ड में त्रुटि बश मेरा और पिता नाम गलत अंकित हो गया है। इसे सुधारकर सगीर अहमद पुत्र स्वर्गीय श्री सरदार अहमद माता श्रीमती नजमा खातून मोहल्ला कटरा निकट आई.टी.आई. पोस्ट– गांधीनगर जनपद बस्ती (उ.प्र.) कराया जाय। मो0 9565546495

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता सिंचाई निर्माण मण्डल, बस्ती

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना संख्या–08/अधी0अभि0/ 2023–24

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑन लाइन http://etender.up.nic.in के माध्यम से प्री–क्वालिफिकेशन टेक्निकल बिड एवं प्राइस–बिड/फाइनेन्शियल बिड, सिंचाई विभाग में वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक 11.03.2024 को प्रातः 10:00 बजे से दिनांक 18.03.2024 को अपरान्ह 01:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। प्री–क्वालिफिकेशन टेक्निकल बिड दिनांक 18.03.2024 को अपरान्ह 01:30 बजे कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सिंचाई निर्माण मण्डल बस्ती के कार्यालय में मुख्य अभियन्ता, सरयू परियोजना–2, सिंचाई विभाग, उ0प्र0, गोण्डा के गठित समिति द्वारा ऑन लाइन खोली जायेंगी। कार्यालय बन्द होने या छुट्टी होने की दशा में यह बिड अगले कार्यालय दिवस में उसी समय खोली जायेंगी।

क0 सं0	संगठन का नाम	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	मात्रा	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य (जी0एस0टी0 सहित)+ स्टेशनरी चार्ज	पंजीकृत श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	सरयू संगठन द्वितीय, गोण्डा	खलीलाबाद शाखा के किमी0 66.700 पर वी0आर0बी0 (बाक्स क्लवर्ट) निर्माण का अवशेष कार्य।	47.13	बिल आफ क्वांटिटी के अनुसार	0.96	05 माह	2556.00	'बी' या उच्च
2		खलीलाबाद शाखा के किमी0 69.000 पर वी0आर0बी0 (बाक्स क्लवर्ट) निर्माण का अवशेष कार्य।	48.10	बिल आफ क्वांटिटी के अनुसार	0.98	05 माह	2568.00	'बी' या उच्च

यह निविदा/बिड सूचना उत्तर प्रदेश सरकार की वेबसाइट http://information.up.nic.in, ई–टेण्डर की वेबसाइट http://etender.up.nic.in तथा सिंचाई विभाग की वेबसाइट http://idup.gov.in पर उपलब्ध है।

संख्या उ0प्र0 **205204** दिनांक 06/03/2024
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अधीक्षण अभियन्ता
सिंचाई निर्माण मण्डल बस्ती

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com